website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 227 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 26 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव की राजकीय यात्रा पर राजधानी माले पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया है कि आने वाले समय में भारत-मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ की ओर से भव्य स्वागत पर पीएम मोदी ने खुशी जताई।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "मैं माले पहुंच गया हूं। मुझे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति मुइज़्ज़ मेरा स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर आए। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे।"

मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लेंगे पीएम मोदी

इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव के माले पहुंचे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एक विशेष सम्मान के रूप में राष्ट्रपति मुइज़्ज़ और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री की मालदीव की यह तीसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लेंगे।"

भारतीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण

भारतीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ और मालदीव तथा भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति मुइज़्ज़ के कार्यकाल के दौरान किसी भी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख की यह पहली यात्रा भी है।

दोनों नेता अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपनाए गए 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का भी जायजा लेंगे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुइज़्ज़ के बीच चर्चा में बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा सहयोग और आर्थिक संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी मजबूत होगी।

भारत और मालदीव के बीच लंबे समय से संबंध

भारत और मालदीव के बीच लंबे समय से जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक संबंध रहे हैं। भारत 1965 में मालदीव की स्वतंत्रता को मान्यता देने और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। वर्षों से यह संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और राजनीतिक विवाद से मुक्त रहे हैं।

मालदीव में 1988 के तख्तापलट के प्रयास के दौरान भारत की त्वरित सैन्य सहायता ने स्थायी विश्वास का निर्माण किया। इसके बाद भारतीय सैनिकों की त्वरित वापसी ने मालदीव की संप्रभुता को सुनिश्चित करने में मदद की, जिससे भारत की एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में छवि मजबूत हुई।

राहुल गांधी का मोदी पर तीखा हमला: बोले- उनमें दम नहीं, सिर्फ शो-बाजी है

-OBC आरक्षण पर मानी अपनी गलती, अब सुधारने का वादा

नई दिल्ली। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। इस सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की OBC सेल ने किया, जिसका उद्घाटन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा

'नरेंद्र मोदी कोई बड़ी प्रॉब्लम नहीं हैं। मैं उनसे दो-तीन बार मिल चुका हूं। उनमें दम नहीं है, सिर्फ शो-बाजी है। लोगों ने उन्हें सिर पर चढ़ा रखा है।' राहुल ने कहा कि राजनीति में सबसे बड़ी समस्या नरेंद्र मोदी नहीं हैं, बल्कि उनके नाम पर बनाई गई दिखावटी छवि है, जिससे लोग भ्रमित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस भ्रम को तोड़ने और जमीनी मुद्दों पर लड़ाई लड़ने की अपील की।

जातिगत जनगणना पर मानी गलती

राहुल गांधी ने सम्मेलन में स्वीकार किया कि OBC वर्ग के लिए जातिगत जनगणना नहीं कराना उनकी गलती रही। उन्होंने कहा, '10-15 साल पहले मैं OBC के मुद्दों को गहराई से नहीं समझ पाया। अगर मुझे उस वक्त इनकी अहमियत समझ में आ जाती तो मैं उसी समय जातिगत जनगणना करवा देता। यह गलती कांग्रेस की नहीं, मेरी है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में जल्द जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी और OBC वर्ग को उनका हक दिलाया जाएगा।

'मैं नहीं छोड़ूंगा' राहुल गांधी ने कहा

'मैंने अब इस काम को करने का मन बना लिया है। आप मेरी बहन प्रियंका से पूछिएगा कि अगर राहुल ने किसी काम को करने का मन बना लिया तो वो उसे छोड़ता है या नहीं। मैं OBC वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के इस वादे को पूरा कर के रहूंगा।'

खड़गे ने किया उद्घाटन

कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। उन्होंने OBC वर्ग के हक और समान भागीदारी पर कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि 'संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है।'

OBC आरक्षण और सामाजिक न्याय पर फोकस

राहुल गांधी के इस बयान के बाद कांग्रेस ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि आगामी चुनावों में पार्टी OBC, सामाजिक न्याय और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। पार्टी का कहना है कि BJP सिर्फ नारेबाजी करती है, जबकि कांग्रेस हक दिलाने के लिए काम कर रही है।

संसद में 28 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर होगी चर्चा : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चल रहे हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के दौरान सरकार की ओर से कौन बोलेगा? यह विपक्ष तय नहीं कर सकता है और विपक्ष की ओर से कौन बोलेगा? यह सरकार तय नहीं कर सकती है।

किरेन रिजिजू ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सभी मुद्दों पर एक साथ चर्चा नहीं की जा सकती। विपक्ष ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान और अन्य जैसे कई मुद्दे उठाए हैं। हमने उन्हें बताया कि पहले ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जाएगी। उसके बाद हम तय करेंगे कि किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर पर सोमवार (28 जुलाई) को लोकसभा में 16 घंटे और मंगलवार (29 जुलाई) को राज्यसभा में 16 घंटे बहस होगी।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह जैसा रहा, आप सबने देखा। संसद सत्र शुरू होने से पहले ही कांग्रेस समेत कई दलों ने अनुरोध किया था कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए। इसे लेकर सरकार की ओर से साफ शब्दों में कहा गया कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन विपक्ष ने पहले दिन ही हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने पोस्टर बैनर लेकर संसद के अंदर और बाहर प्रदर्शन किया और संसद नहीं चलने दी। कांग्रेस और कुछ दलों ने संसद की कार्यवाही को बाधित किया।

किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ने यह निर्णय लिया है कि हम सोमवार से पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करेंगे। सभी दलों ने स्वीकार किया है कि संसद सोमवार से सुचारू रूप से चलेगी। उन्होंने कहा कि एक-एक सवाल का जवाब तैयार करने में काफी समय लगता है। ऐसे में अगर जवाब नहीं सुनते हैं तो लोगों का काफी नुकसान होता है। एक साथ सारे मुद्दों पर चर्चा नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात हुई। इस दौरान क्या बातचीत हुई? ये जानकारी सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं। संसद में सभी पार्टी को बोलने का पर्याप्त मौका मिलेगा। किरेन रिरिजू ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा पर सरकार का प्रयास है। सरकार और विपक्ष एकजुट होकर मोशन लाएंगे।

उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां तेज, नियुक्त किए गए रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 की तैयारियां तेज कर दी हैं। आज शुक्रवार को आयोग ने चुनाव से जुड़ी अहम प्रक्रिया शुरू करते हुए रिटर्निंग अधिकारी और दो सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। निर्वाचन आयोग ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर बताया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उपराष्ट्रपति पद का चुनाव कराना आयोग की जिम्मेदारी है। यह चुनाव "राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम, 1952" और "राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन नियम, 1974" के मुताबिक होगा। इस नियम के तहत, केंद्र सरकार से परामर्श कर आयोग एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त करता है, जिसका कार्यालय नई दिल्ली में होता है। परंपरा के अनुसार, लोकसभा और राज्यसभा के महासचिवों को बारी-बारी से यह जिम्मेदारी दी जाती है। चूंकि पिछली बार लोकसभा महासचिव को यह जिम्मेदारी दी गई थी,इसलिए इस बार राज्यसभा के महासचिव को रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही राज्यसभा सचिवालय की संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया में सहयोग मिल सके। आयोग ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक राजपत्र अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 22 जुलाई 2025 को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे पत्र में कहा था कि वे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। अगले दिन राष्ट्रपति मुर्मु ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। अब नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है और जल्द ही निर्वाचन तिथि की घोषणा भी की संभावना है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी (RU) में दो दर्जन से ज्यादा छात्र नेताओं ने छात्रों के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ धरना और प्रदर्शन किया।

जवाहरलाल नेहरू मार्ग की ओर बढ़े, पुलिस ने रोका

प्रदर्शन कर रहे छात्र जैसे ही रैली निकालकर जवाहरलाल नेहरू मार्ग (JLN मार्ग) की ओर बढ़ने लगे, वहां पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं और कुछ छात्रों को हिरासत में ले लिया और मौके से हटाया।

कमल चौधरी का सरकार पर तानाशाही का आरोप

छात्र नेता कमल चौधरी ने कहा, 'राजस्थान की भजनलाल सरकार युवाओं पर तानाशाही कर रही है। पिछले तीन साल से बेवजह छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा रखी है। राजस्थान में छात्रसंघ चुनावों से ही कई नेता राजनीति की मुख्यधारा में आए, जो आज संसद और विधानसभा में जनता की आवाज उठा रहे हैं।' चौधरी ने चेतावनी दी कि अगर अब भी सरकार ने छात्रसंघ चुनाव बहाल नहीं किए, तो छात्र मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बीजेपी सरकार की होगी।

तीन साल से चुनावों पर रोक, छात्रों में नाराजगी

राजस्थान में पिछले तीन साल से छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए हैं, जिससे छात्रों में नाराजगी है। छात्रों का कहना है कि चुनावों पर रोक लगाकर सरकार युवाओं की आवाज दबा रही है। कई छात्र नेताओं का कहना है कि छात्रसंघ लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है और इसके माध्यम से छात्र नेतृत्व क्षमता सीखते हैं और जनता की समस्याओं के समाधान में भागीदारी निभाते हैं।

सरकार पर दबाव बढ़ाने की तैयारी

छात्र संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द छात्रसंघ चुनावों की घोषणा नहीं हुई, तो आंदोलन को प्रदेशभर में फैलाया जाएगा और विश्वविद्यालयों में तालाबंदी और धरना प्रदर्शन किए जाएंगे। छात्र संगठनों ने कहा कि आने वाले दिनों में वे राजस्थान विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों में छात्रों को जोड़कर सरकार पर दबाव बढ़ाएंगे।

पुलिस की सतर्कता और सुरक्षा बढ़ाई

हिरासत में लिए गए छात्र नेताओं को पुलिस ने कुछ घंटों बाद छोड़ दिया, लेकिन प्रदर्शन की आशंका के चलते RU परिसर और JLN मार्ग पर पुलिस बल तैनात रखा गया है। छात्रों की मांग है कि राजस्थान सरकार जल्द से जल्द छात्रसंघ चुनावों की तिथि घोषित करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करे।

भारत ने ULPGM-V3 मिसाइल का किया सफल परीक्षण, रक्षा क्षमताओं को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने शुक्रवार, 25 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित नेशनल ओपन एरिया रेंज (NOAR) में यूएवी-प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (ULPGM)-V3 का सफल उड़ान परीक्षण किया। यह उपलब्धि भारत के निर्देशित मिसाइल कार्यक्रम में एक नया मील का पत्थर है।

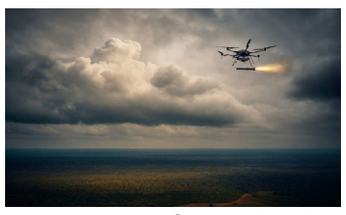

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सफलता की घोषणा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर इस सफलता की घोषणा करते हुए कहा, "भारत की रक्षा क्षमताओं को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, डीआरडीओ ने ULPGM-V3 के सफल उड़ान परीक्षण किए हैं। इस प्रणाली के विकास और परीक्षण के लिए डीआरडीओ, उद्योग भागीदारों, DcPPs, MSMEs और स्टार्ट-अप्स को बधाई। यह सफलता भारतीय उद्योग की महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों को अपनाने और उत्पादन करने की क्षमता को दर्शाती है।"

ULPGM-V3 के विस्तृत विनिर्देश अभी गोपनीय

हालांकि ULPGM-V3 के विस्तृत विनिर्देश अभी गोपनीय हैं, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें इमेजिंग इन्फ्रारेड (IIR) सीकर और दोहरे-थ्रस्ट प्रणोदन प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकें शामिल हैं, जो इसे हल्का, सटीक और विभिन्न हवाई प्लेटफार्मों के साथ संगत बनाती हैं। यह प्रणाली आधुनिक युद्ध में मानवरहित सटीक प्रहार क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

DRDO, निजी उद्योग और MSMEs के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम

परीक्षण के लिए NOAR का चयन DRDO की अत्याधुनिक तकनीकों को मान्य करने की रणनीति को दर्शाता है। यह रेंज हाल ही में उच्च-ऊर्जा लेजर-आधारित हथियारों और स्वार्म ड्रोन निष्क्रिय करने वाली प्रणालियों के परीक्षणों का गवाह बनी है, जो भारत के उन्नत रक्षा परीक्षण बुनियादी ढांचे को रेखांकित करता है। यह सफलता DRDO, निजी उद्योग और MSMEs के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है, जो भारत को महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम है।

अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के लिए पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। अमित शाह ने कहा कि भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया, यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव और संभावनाओं का क्षण है। भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्रव मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की उपस्थिति में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और व्यापार एवं वाणिज्य राज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। केन्द्रीय गृह अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने पर पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया है और यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव और संभावनाओं का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह संधि प्रधानमंत्री मोदी जी की जन-केंद्रित व्यापार कूटनीति का प्रमाण है, जो 95% कृषि निर्यात पर शुल्क माफ कर हमारे किसानों के लिए समृद्धि के नए युग की शुरुआत करती है और 99% समुद्री निर्यात पर शून्य शुल्क के साथ हमारे मछुआरों को लाभ पहुंचाती है। अमित शाह ने कहा कि यह समझौता मेक इन इंडिया के संकल्प को बढ़ावा देता है और हमारे कारीगरों, बुनकरों, कपड़ा, चमड़ा, जूते-चप्पल, रत्न और आभूषण तथा खिलौनों के लिए व्यापक बाजार खोलकर हमारे स्थानीय उत्पादों का वैश्वीकरण कर उनकी क्षमता को नई ऊंचाई पर पहुंचाता है आपको बता दें, यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और आर्थिक एकीकरण को मज़बूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दुनिया की क्रमशः चौथी और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और ब्रिटेन के द्विपक्षीय संबंध वैश्विक आर्थिक महत्व रखते हैं।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर 6 मई 2025 को घोषित वार्ता के सफल समापन के बाद हुए हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 56 अरब अमेरिकी डॉलर का है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का संयुक्त लक्ष्य है। ज्ञात हो, सीईटीए ने ब्रिटेन को भारत के 99% निर्यात के लिए अभूतपूर्व शुल्क-मुक्त पहुंच सुनिश्चित की है, जो लगभग पूरे व्यापार क्षेत्र को कवर करता है। इससे कपड़ा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, खिलौने और रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों के साथ-साथ इंजीनियरिंग सामान, ऑटो कंपोनेंट और जैविक रसायन जैसे तेज़ी से बढ़ते क्षेत्रों के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

रूसी विमान हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दु:ख,पीड़ित परिवारों के प्रति व्यक्त की संवेदना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रूसी विमान हादसे में हुई लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर साझा किए गए एक बयान में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "रूस में हुए दुखद विमान हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। हम रूस और उसके लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।" रूस के पहाड़ी अमूर क्षेत्र में गुरुवार को एक रूसी एएन-24 विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 5 बच्चों और 6 क्रू मेंबर्स सहित 49 लोग सवार थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विमान में सभी यात्री मारे गए। साइबेरिया स्थित अंगारा एयरलाइंस द्वारा संचालित यह दुर्भाग्यपूर्ण उड़ान ब्लागोवेशचेंस्क से रवाना हुई थी और रूस-चीन सीमा के पास टिंडा जा रही थी, जब लैंडिंग से कुछ समय पहले ही इसका हवाई यातायात नियंत्रकों से संपर्क टूट गया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, विमान में हवा में ही आग लग गई और वह रडार से गायब हो गया।

बाद में बचाव हेलीकॉप्टरों ने टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक दूरस्थ पहाड़ी पर जलते हुए मलबे का पता लगाया। अमूर नागरिक सुरक्षा एवं अग्नि सुरक्षा केंद्र के अधिकारियों ने पुष्टि की कि जब एक एमआई-8 खोजी हेलीकॉप्टर दुर्घटनास्थल के ऊपर से उड़ा, तो कोई भी जीवित नहीं मिला।

AAP ने आतिशी को गोवा यूनिट का प्रभारी बनाया, पंकज गुप्ता की जगह लेंगी जिम्मेदारी

दिल्ली । आम आदमी पार्टी (AAP) ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए दिल्ली की पूर्व मंत्री और नेता प्रतिपक्ष आतिशी को पार्टी की गोवा यूनिट का प्रभारी नियुक्त किया है। आतिशी ने यह जिम्मेदारी पंकज गुप्ता की जगह ली है, जो वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं।

2027 विधानसभा चुनावों पर फोकस

AAP ने कहा कि आतिशी गोवा में संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर पर नेटवर्क खड़ा करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का काम करेंगी। पार्टी ने 2027 में होने वाले गोवा विधानसभा चुनावों से पहले तैयारी तेज करने का संकेत दिया है।

गोवा में AAP की स्थिति

AAP ने 2017 के विधानसभा चुनावों में गोवा में पहली बार चुनाव लड़ा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने दो सीटें— वेलिम और बेनौलिम जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। पार्टी अब इन दो सीटों को आधार बनाकर गोवा में विस्तार की कोशिश कर रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

धरती का पेट चीरने की अंधी दौड़: इंसानी जिंदगी पर मंडराता खतरा

धरती के सीने को चीर कर निकलने वाली आवाजें अब सिर्फ मशीनों की नहीं हैं, बल्कि यह हमारे पर्यावरण और इंसानी जिंदगी के लिए खतरे की घंटी भी बन चुकी हैं। तेजी से बढ़ रही खनन गतिविधियां, निर्माण के लिए पहाड़ों को काटना, रेत-बजरी के अवैध खनन, गहरे गड्ढे खोद कर जमीन के पेट से खनिज निकालने की लालसा ने आज कई राज्यों में आम लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल दिया है। खनन को विकास का आधार मानकर सरकारें और कंपनियां नई-नई परियोजनाओं को मंजूरी दे रही हैं। लेकिन इस विकास की दौड़ में सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की बातें सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई हैं। मुनाफे की हवस में नदियों का रुख मोड़ा जा रहा है, पहाड़ों को खोद कर उनकी जड़ों को कमजोर किया जा रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल, राजस्थान, झारखंड और ओडिशा जैसी जगहों पर यह स्थिति गंभीर रूप ले चुकी है। कई जगह खदान धंसने से मजदूरों की जान गई, तो कहीं गांव के घरों में दरारें पड़ गईं। मगर इसके बावजूद जिम्मेदार लोग सिर्फ जांच के नाम पर खानापूर्ति कर अपनी जिम्मेदारियों से बच जाते हैं। खनन के दौरान विस्फोटक का इस्तेमाल कर पहाड़ों को तोड़ा जाता है, जिससे आसपास की जमीन कमजोर हो जाती है। बारिश में यह जमीन खिसकने लगती है और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में अंधाधुंध सड़क चौड़ीकरण और सुरंग निर्माण से भी जमीन की स्थिरता प्रभावित होती है। पिछले साल उत्तराखंड के जोशीमठ में जो दरारें पड़ीं, उसमें विकास परियोजनाओं की जल्दबाजी और पहाड़ों की खुदाई ने बड़ा रोल निभाया। मगर इसके बाद भी ठोस सबक नहीं लिया गया। रेत और बजरी का खनन भी नदियों की सेहत बिगाड़ रहा है। नदियों के तल से मशीनों द्वारा रेत खींच लेने से जलधारा की दिशा बदलने लगती है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। भूजल का स्तर भी नीचे गिर रहा है। अवैध खनन माफिया, नेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत से काम करता है। पुलिस और प्रशासन की नजरों के सामने रात-दिन ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत खींच कर बेची जाती है, मगर कार्रवाई नहीं होती। खनिज पदार्थों के खनन में भी सुरक्षा इंतजामों की भारी कमी है। खदानों में काम कर रहे मजदूरों के पास न तो सही सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही उन्हें आपदा की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकालने की पुख्ता व्यवस्था होती है। खदानों के आस-पास रहने वाले लोग धूल और खतरनाक गैसों के कारण बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। कई इलाकों में भूगर्भ जल प्रदूषित हो चुका है, जिससे कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। खनन की होड़ ने जंगलों की कटाई को भी बढ़ावा दिया है। खनन के लिए हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं, जिससे पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। वन्य जीवों का रहन-सहन प्रभावित हो रहा है और वे इंसानी बस्तियों की तरफ आ रहे हैं। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की रफ्तार भी तेज हो रही है।

नगर निकाय: संविधान संशोधन के तीन दशक बाद भी आत्मनिर्भर नगर सरकारें धरातल पर नहीं उतरीं

-शहरी अव्यवस्थाएं नीतिगत खामियों का आईना

भारत में शहरीकरण तेज़ी से बढ़ा है। शहर जनसंख्या और विस्तार में तो बढ़ गए, मगर उनकी संरचनाएं, प्रशासनिक व्यवस्थाएं और वित्तीय क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हो सकीं। नगर निकायों को मज़बूती देने और शहरी शासन में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 1992 में 74वां संविधान संशोधन लाया गया था। इसके तहत शहरी स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा देने, उनके दायित्व स्पष्ट करने, चुनाव अनिवार्य करने और वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। लेकिन तीन दशक बाद भी भारत की शहरी सरकारें आत्मनिर्भर नहीं हो पाई हैं। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक नगर निकाय वित्तीय तंगी, कर्मचारियों की कमी, निर्णय लेने में देरी, और नीतिगत असंगतियों से घिरे हुए हैं। इसका परिणाम शहरी अव्यवस्थाओं, अवैध बस्तियों, ट्रैफिक जाम, कचरा प्रबंधन की विफलता, पानी और सीवरेज की समस्या, और प्रदूषण के रूप में दिखता है। यह लेख इस मुद्दे की तह में जाकर यह पड़ताल करता है कि आखिर किन कारणों से नगर निकायों का लोकतांत्रिक स्वशासन और आत्मनिर्भरता धरातल पर नहीं उतर पाई और इस विफलता का भारत के शहरों की अव्यवस्था से क्या रिश्ता है।

74वें संविधान संशोधन की मूल भावना

1992 में लागू हुए 74वें संशोधन ने शहरी शासन में एक नया अध्याय जोड़ा। इसके अंतर्गत:

नगर पालिकाओं और नगर परिषदों का गठन अनिवार्य किया गया।

पांच वर्षों में नियमित चुनाव सुनिश्चित करने का प्रावधान हुआ।

वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था के लिए राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राजस्व का बंटवारा किया जाना तय हुआ। 18 कार्य क्षेत्रों (जैसे शहरी नियोजन, जल आपूर्ति, सड़क, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ठोस कचरा प्रबंधन आदि) को नगर निकायों को सौंपने की बात कही गई। जन भागीदारी बढ़ाने हेतु वार्ड समितियों के गठन की व्यवस्था की गई। इसका उद्देश्य यह था कि शहरी सरकारें लोकतांत्रिक तरीके से जनता की समस्याओं का समाधान करें, स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास की प्राथमिकताएं तय करें, और अपने राजस्व संसाधनों को बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनें।

धरातल पर हकीकत क्या है?

1 वित्तीय आत्मनिर्भरता का अभाव

भारत के अधिकतर नगर निकाय आज भी राज्य सरकारों से मिलने वाली अनुदान और वित्तीय सहायता पर निर्भर हैं। इनके अपने राजस्व स्रोत (हाउस टैक्स, व्यापार लाइसेंस, जल कर आदि) नगण्य हैं और कर संग्रहण की क्षमता भी सीमित है।

कुछ उदाहरण:

नगरपालिका बजट का 70-80% हिस्सा राज्य सरकार से मिलने वाली ग्रांट पर आधारित होता है। भारत में नगर निकायों की जीडीपी में हिस्सेदारी 1% से भी कम है, जबकि कई देशों में यह 6-8% तक होती है। संपत्ति कर संग्रह क्षमता अत्यंत कम है, बड़े शहरों में भी टैक्स बेस का अद्यतन नहीं होता, अवैध बस्तियां कर दायरे से बाहर रहती हैं।

2 कर्मचारियों और क्षमता की कमी

अधिकतर नगर निकायों में पेशेवर शहरी योजना विशेषज्ञ, वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञ, इंजीनियर और स्वास्थ्य कर्मियों की भारी कमी है। काम करने वाले कर्मचारियों में भी प्रशिक्षण और आधुनिक टेक्नोलॉजी का अभाव है। कई शहरों में आज भी मैन्युअल सीवर सफाई जैसे कार्य जारी हैं।

3 विकेंद्रीकरण की कमी

18 कार्य क्षेत्र नगर निकायों को सौंपने की बात थी, लेकिन अधिकतर राज्यों में यह आधा-अधूरा है। जल आपूर्ति, शहरी परिवहन, कचरा प्रबंधन जैसी जिम्मेदारियां अलग-अलग एजेंसियों में बंटी हुई हैं जिससे जवाबदेही तय नहीं हो पाती। नगर निकायों की निर्णय लेने की स्वतंत्रता सीमित है, बड़े फैसलों के लिए राज्य सरकारों की अनुमति लेनी पड़ती है।

4 पारदर्शिता और जन भागीदारी का अभाव

वार्ड समितियों का गठन अधिकांश शहरों में कागज़ों तक सीमित है। नागरिकों की भागीदारी नगण्य है, बजट और योजनाएं जन संवाद के बिना बनती हैं। पारदर्शिता के अभाव में भ्रष्टाचार और लापरवाही की घटनाएं लगातार होती रहती हैं।

शहरी अव्यवस्थाएं: नीतिगत खामियों का आईना

भारत के शहर जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं, वे प्रत्यक्ष रूप से कमजोर नगर निकायों और शहरी प्रशासन की विफलता को दिखाती हैं।

ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण

सड़कों की चौड़ाई और यातायात प्रबंधन में नगर निकायों की भूमिका सीमित है। अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कार्रवाई नहीं हो पाती, राजनीतिक हस्तक्षेप आम बात है। पार्किंग व्यवस्था और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में नगर निकायों का योगदान नगण्य है।

ठोस कचरा प्रबंधन

शहरों में प्रतिदिन 1.5 लाख टन से अधिक कचरा उत्पन्न होता है। नगर निकायों में कचरा संग्रहण और प्रोसेसिंग क्षमता सीमित है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन नगण्य है, खुले में डंपिंग आम बात है।

जल और सीवरेज संकट

जल आपूर्ति में लीकेज और अवैध कनेक्शनों से पानी की बर्बादी होती है। सीवरेज नेटवर्क अधूरा और पुराना है, जिससे जलजमाव, सीवर ओवरफ्लो और गंदगी का सामना करना पड़ता है। प्रदूषित जल स्रोत और स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।

हरी क्षेत्रों की कमी

मास्टर प्लान की अनुपालना नहीं होती, पार्क और ग्रीन जोन में अतिक्रमण आम है। शहरी हीट आइलैंड प्रभाव और प्रदूषण बढ़ रहे हैं।

अनियोजित विस्तार

अवैध कॉलोनियां और स्लम बढ़ते जा रहे हैं। मूलभूत सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती।

क्यों नहीं हो पा रहा आत्मनिर्भर शहरी शासन?

1. राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

74वें संशोधन की भावना के अनुरूप शहरी शासन को सशक्त बनाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति आवश्यक है, लेकिन यह प्राथमिकता में नहीं है। राज्य सरकारें अपनी शक्तियां नगर निकायों को देने में हिचकती हैं।

2. वित्तीय सुधारों का अभाव

कर आधार का अद्यतन नहीं होना। संपत्ति कर दरें बहुत कम और वसूली प्रणाली कमजोर। भूमि आधारित वित्तीय साधनों (लैंड बैंक, विकास शुल्क) का सीमित उपयोग।

3. प्रशासनिक ढांचे में जटिलता

अलग-अलग विभाग और एजेंसियां नगर विकास में बंटी रहती हैं, समन्वय का अभाव होता है। मेट्रो, जल बोर्ड, ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन जैसी संस्थाओं की जवाबदेही नगर निकायों के अधीन नहीं होती।

4. मानव संसाधन की कमजोरी

नगर निकायों में कर्मचारियों की नियुक्ति और क्षमतावर्धन योजनाओं की कमी।

5. तकनीकी और डेटा आधारित प्रबंधन का अभाव

शहरों में डेटा आधारित निर्णय प्रणाली विकसित नहीं हो पाई, जिससे योजना और क्रियान्वयन में गड़बड़ी होती है।

समाधान की दिशा में कदम

अगर भारतीय शहरों को रहने योग्य, सस्टेनेबल और प्रगतिशील बनाना है तो नगर निकायों की आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के बिना यह संभव नहीं।

1 वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित करना

संपत्ति कर और अन्य स्थानीय करों का संग्रह बेहतर बनाना। भूमि मूल्य बढ़ोतरी से लाभ प्राप्त करने की व्यवस्था लैंड वैल्यू कैप्चर)। उपयोगकर्ता शुल्क बढ़ाना और प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी सुनिश्चित करना।

2 शासन में विकेंद्रीकरण

18 कार्य क्षेत्रों को नगर निकायों को हस्तांतरित करना। नगर निकायों को योजना बनाने और लागू करने में स्वतंत्रता देना।

3 पारदर्शिता और जवाबदेही

ई-गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी को बढ़ाना। वार्ड समितियों और नगर सभा की नियमित बैठकें सुनिश्चित करना। सोशल ऑडिट और पब्लिक डिस्क्लोजर अनिवार्य करना।

4 क्षमता निर्माण

कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना और पेशेवर नियुक्तियां करना। नगरीय नियोजन, वित्त और तकनीकी प्रबंधन में विशेषज्ञता विकसित करना।

सऊदी अरब के रेगिस्तान में मशरूम रॉक: रेत, हवा और वक्त की कहानी

-कुदरत का करिश्मा: सऊदी अरब के रेगिस्तान में मशरूम रॉक की कहानी

सऊदी अरब को दुनिया भर में तेल के लिए जाना जाता है, लेकिन इसके रेगिस्तान में ऐसी कई अद्त संरचनाएँ भी मौजूद हैं जो प्राकृतिक कला की बेमिसाल मिसाल पेश करती हैं। ऐसी ही एक अद्त संरचना है – मशरूम रॉक। यह चट्टान आकार में बिल्कुल मशरूम जैसी दिखती है और इसके नीचे से पत्थर घिस कर एक पतली सी गर्दन बना देते हैं, जबकि ऊपर का हिस्सा बड़ा और गोल रहता है। यह संरचना सिर्फ देखने में सुंदर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, समय और मौसम के प्रभाव का भी बेहतरीन उदाहरण है।

मशरूम रॉक क्या है?

'मशरूम रॉक' को हिंदी में कुकुरमुत्ता चट्टान कहा जा सकता है। यह चट्टान देखने में बिल्कुल मशरूम की तरह लगती है, जिसकी डंडी पतली और ऊपर का हिस्सा चौड़ा होता है। सऊदी अरब के कई इलाकों में रेगिस्तान के बीच ऐसे मशरूम रॉक पाए जाते हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध अल-उला क्षेत्र में स्थित मशरूम रॉक है। यह चट्टानें मुख्य रूप से हवा, पानी और रेत के लगातार कटाव के कारण बनती हैं। हवा में उड़ती रेत लगातार चट्टान की निचली परत को काटती रहती है, जिससे धीरे-धीरे उसका निचला हिस्सा पतला और ऊपरी हिस्सा चौड़ा होता जाता है। समय के साथ यह चट्टान मशरूम जैसी आकृति ले लेती है।

अल-उला: मशरूम रॉक का घर

अल-उला, सऊदी अरब के उत्तर-पश्चिम में स्थित ऐतिहासिक और पुरातात्विक क्षेत्र है, जो अपनी प्राचीन सभ्यता और आश्चर्यजनक प्राकृतिक संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। अल-उला में कई मशरूम रॉक संरचनाएँ देखने को मिलती हैं। यहाँ का मशरूम रॉक कई मीटर ऊँचा है और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रेगिस्तान में फैली लाल और सुनहरी रेत के बीच खड़ी यह चट्टान सूरज की रौशनी में अलग-अलग रंग लेती रहती है, कभी सुनहरी, कभी नारंगी तो कभी हल्की गुलाबी। सूरज ढलते समय इसका दृश्य बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाला होता है।

कैसे बनती है मशरूम रॉक?

वायु कटाव (Wind Erosion): हवा में तेज़ी से उड़ती रेत चट्टानों के निचले हिस्से को घिसती है।

जल कटाव (Water Erosion): वर्षा के पानी से भी चट्टान में दरारें बनती हैं।

थर्मल एक्सपेंशन और कॉन्ट्रैक्शन: दिन और रात के तापमान में भारी अंतर से चट्टानें फैलती और सिकुड़ती हैं, जिससे दरारें पड़ती हैं।

मिट्टी का क्षरण (Soil Erosion): रेत और धूल धीरे-धीरे चट्टानों के आधार को काटते रहते हैं।

लंबी अवधि: यह प्रक्रिया हजारों से लाखों सालों में होती है, तभी जाकर चट्टान मशरूम जैसी आकृति ले पाती है।

भूगोल और जलवायु का योगदान

सऊदी अरब का जलवायु अत्यधिक गर्म और शुष्क है। यहाँ दिन में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है, जबकि रात को यह 15 डिग्री तक गिर सकता है। इस तापमान के उतार-चढ़ाव से चट्टानों में छोटे-छोटे टूट-फूट होते हैं। रेगिस्तानी हवाओं की गति यहाँ 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुँच जाती है। यह हवाएँ अपने साथ रेत को उड़ाकर लाती हैं, जो लगातार चट्टानों पर टकराती रहती है और उसे घिसती रहती है।

सांस्कृतिक और पर्यटन महत्व

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान द्वारा 'विजन 2030' के तहत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है और अल-उला इस योजना का मुख्य केंद्र है। टूरिज्म डेवलपमेंट: अल-उला में मशरूम रॉक जैसे प्राकृतिक अजूबों को संरक्षित किया जा रहा है और यहाँ पर्यटकों के लिए विशेष टूर पैकेज बनाए गए हैं। फोटोग्राफी और एडवेंचर स्पॉट: मशरूम रॉक एडवेंचर टूरिज्म, फोटोग्राफी और स्टार गेजिंग के लिए भी प्रसिद्ध है। स्थानीय

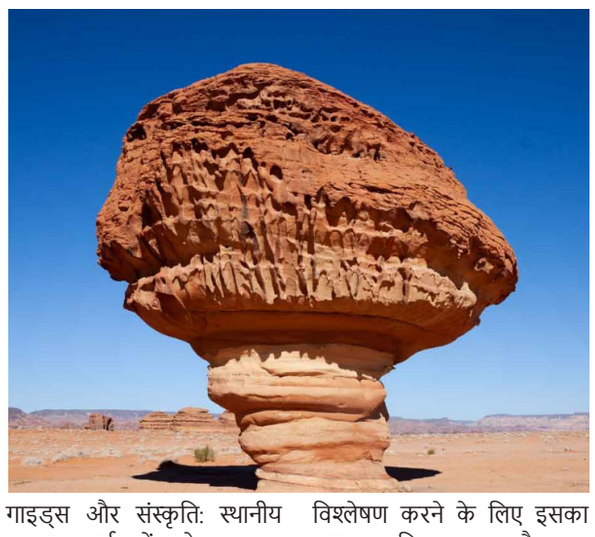

गाइड्स और संस्कृति: स्थानीय गाइड्स पर्यटकों को मशरूम रॉक और उसके आसपास के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के बारे में बताते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी प्राप्त होता है।

मशरूम रॉक के आसपास अन्य आकर्षण

मदाइयन सालेह (हेग्रा): यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जो नबातियन सभ्यता का गवाह है।

एलिफेंट रॉक: हाथी के आकार की एक विशाल चट्टान।

अल-उला पुराना शहर: मिट्टी और पत्थरों से बना प्राचीन बस्ती, जो प्राचीन अरब जीवन का प्रतिबिंब है।

रेगिस्तानी कैम्पिंग: रेगिस्तान में मशरूम रॉक के पास कैम्पिंग और बोनफायर का आनंद लिया जा सकता है।

स्टार गेजिंग: यहाँ का साफ और प्रदूषण रहित आसमान रात में तारों को देखने के लिए बेहतरीन है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मशरूम रॉक का महत्व

भूवैज्ञानिकों के लिए मशरूम रॉक एक केस स्टडी की तरह है, जो प्राकृतिक कटाव, जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय संरचनाओं के निर्माण की प्रक्रिया को समझने में मदद करता है। यह भूगर्भीय कालों में हुए परिवर्तनों का साक्षी है। कटाव की दर, दिशा और रेगिस्तानी हवाओं की प्रकृति का विश्लेषण करने के लिए इसका अध्ययन किया जाता है। यह सऊदी अरब में प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को भी बताता है।

संरक्षण की चुनौतियाँ

भले ही मशरूम रॉक एक मजबूत चट्टान हो, लेकिन इसके निचले हिस्से का पतला होना इसे कमजोर बना देता है।

पर्यटकों का दबाव: ज्यादा पर्यटक आने से इसकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

रेत के तूफान: अधिक तीव्र रेत के तूफान से इसके निचले हिस्से को क्षति पहुँच सकती है।

मानवजनित गतिविधियाँ: अवैध खुदाई और अनियमित ट्रैफिक भी इस क्षेत्र को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

इसीलिए सऊदी अरब सरकार ने मशरूम रॉक और अल-उला क्षेत्र की संरचनाओं को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है।

मशरूम रॉक के अनुभव को कैसे जीवंत बनाएँ

यदि आप सऊदी अरब यात्रा पर जा रहे हैं, तो मशरूम रॉक देखना एक अनोखा अनुभव होगा। सुबह या शाम के समय जाएं, ताकि सूरज की रौशनी में रंग बदलते हुए चट्टान की सुंदरता देख सकें। स्थानीय गाइड के साथ जाएं, ताकि इसके इतिहास और भूगोल की जानकारी मिल सके।

मुबारक सगर: भगत सिंह के वीर क्रांतिकारी मुस्लिम साथी

-जिन्होंने आज़ादी की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर दिया योगदान

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह का नाम हमेशा सम्मान से लिया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उनके साथ कई मुस्लिम साथी भी अंग्रेजों से आज़ादी की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर लड़े। ऐसे ही एक क्रांतिकारी थे मुबारक सगर, जिन्होंने पंजाब और दिल्ली की क्रांतिकारी गतिविधियों में भगत सिंह और उनके साथियों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि

मुबारक सगर का जन्म 1907 में पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ था। उनका असली नाम मुबारक अली था, लेकिन बाद में उन्होंने "सगर" उपनाम अपनाया। उनका परिवार एक साधारण, मेहनतकश और जागरूक मुस्लिम परिवार था। उनके पिता खेती-बाड़ी और छोटे व्यापार से गुज़ारा चलाते थे। बचपन से ही मुबारक सगर ने अमृतसर के माहौल में जलियांवाला बाग हत्याकांड जैसी घटनाओं को देखा, जिसने उनके भीतर अंग्रेज़ हुकूमत के प्रति गुस्सा भर दिया।

शिक्षा और राष्ट्रवादी चेतना

मुबारक सगर ने मिडिल तक की शिक्षा अमृतसर में ली, जहां उन्होंने मौलवी साहब से उर्दू और फारसी सीखी। 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अमृतसर और लाहौर में विरोध और प्रदर्शन होते रहते थे। मुबारक सगर 14-15 साल की उम्र में इन प्रदर्शनों में हिस्सा लेने लगे। 1920 के दशक की शुरुआत में जब असहयोग आंदोलन ने ज़ोर पकड़ा, तो मुबारक सगर ने भी स्थानीय स्तर पर विदेशी कपड़ों की होली जलाने और बहिष्कार आंदोलनों में हिस्सा लिया। इसके बाद उनका संपर्क कुछ क्रांतिकारी युवाओं से हुआ, जो उन्हें भगत सिंह की ओर ले गए।

भगत सिंह से मुलाकात और HSRA में शामिल होना

1924 में जब हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) का गठन हुआ, तब भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसे युवा पंजाब में सक्रिय हो चुके थे। मुबारक सगर भी धीरे-धीरे इन युवाओं के संपर्क में आए। मुबारक सगर का काम अमृतसर और लाहौर के मुस्लिम युवाओं में आज़ादी और क्रांतिकारी चेतना को फैलाना था। उन्होंने मुस्लिम युवाओं को यह समझाने की कोशिश की कि यह लड़ाई किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि अंग्रेज़ी हुकूमत और उनके अत्याचारों के खिलाफ है। उनकी मजबूत भाषण शैली और सरल व्यक्तित्व की वजह से वे जल्द ही भगत सिंह के विश्वसनीय साथियों में शामिल हो गए।

क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका

HSRA को गतिविधियों के लिए हथियारों की ज़रूरत होती थी। मुबारक सगर ने अपने संपर्कों के माध्यम से अमृतसर और कसूर के आसपास से हथियारों को इकट्ठा कर लाहौर और दिल्ली पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने कई बार हथियारों को नमक या अनाज की बोरियों में छिपाकर लाहौर की क्रांतिकारी यूनिट तक पहुंचाया, ताकि पुलिस की नज़र से बचा जा सके।

पर्चे और क्रांतिकारी साहित्य बांटना

मुबारक सगर को उर्दू और पंजाबी अच्छी तरह आती थी। उन्होंने कई क्रांतिकारी पर्चों और पोस्टरों का अनुवाद कर मुस्लिम इलाकों में बांटा। इन पर्चों में अंग्रेज़ी शासन के अत्याचारों और किसानों, मजदूरों के हक़ की बातें होती थीं। उनका मानना था कि आज़ादी की लड़ाई में मुसलमानों को सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए।

दिल्ली में क्रांतिकारी नेटवर्क को मज़बूत करना

HSRA ने दिल्ली में भी अपनी गतिविधियों का विस्तार करना शुरू किया। मुबारक सगर ने दिल्ली में अपने कुछ रिश्तेदारों और दोस्तों की मदद से ठिकानों का इंतज़ाम कराया, जहां भगत सिंह और उनके साथी कुछ समय के लिए रुककर गुप्त मीटिंग कर सकते थे।

लाहौर षड्यंत्र केस और गिरफ्तारी

1928 में लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिए सांडर्स की हत्या के बाद जब भगत सिंह और उनके साथी भूमिगत हुए, तो पुलिस ने उनके साथियों की तलाश तेज कर दी। मुबारक सगर भी इस दौरान पुलिस की नज़र में आ गए। मार्च 1929 में उन्हें लाहौर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर भगत सिंह और HSRA की मदद करने, हथियार सप्लाई करने और क्रांतिकारी साहित्य बांटने का आरोप लगा।

जेल का समय और अदालती कार्यवाही

मुबारक सगर को लाहौर सेंट्रल जेल में रखा गया। उनके साथियों में से कई पर अंग्रेज़ी सरकार ने "राजद्रोह और हत्या" जैसे गंभीर आरोप लगाए। मुबारक सगर ने जेल में भी भगत सिंह और अन्य साथियों के साथ मिलकर राजनीतिक बंदियों के अधिकारों की मांग की, भूख हड़ताल में हिस्सा लिया और जेल में भी आज़ादी का संदेश फैलाया।

भूख हड़ताल में हिस्सा

भगत सिंह और उनके साथियों ने जेल में "राजनीतिक कैदी" का दर्जा मांगा था और इसके लिए लंबी भूख हड़ताल की। मुबारक सगर ने भी 32 दिनों तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

रिहाई और बाद का जीवन

1930 में मुकदमे के दौरान अंग्रेज़ी हुकूमत ने सबूतों के अभाव में मुबारक सगर की सज़ा कम कर दी और उन्हें रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद भी उन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाई, लेकिन लगातार नज़रबंदी और पुलिस निगरानी की वजह से वह सार्वजनिक गतिविधियों में सक्रिय नहीं रह सके। आज़ादी के बाद मुबारक सगर ने युवाओं को आज़ादी की लड़ाई की कहानियां सुनाकर उनमें देशभक्ति और सामाजिक एकता का भाव जगाने का कार्य किया।

मुबारक सगर और भगत सिंह की दोस्ती

मुबारक सगर और भगत सिंह की दोस्ती बहुत गहरी थी। भगत सिंह ने एक बार कहा था: "हमारी लड़ाई धर्म के नाम पर नहीं, इंसाफ के नाम पर है, और मुबारक भाई जैसे साथी हमें याद दिलाते हैं कि इंसाफ की लड़ाई में हर कौम का साथ होना ज़रूरी है।" दोनों में विचारों की समानता थी। भगत सिंह साम्प्रदायिकता के खिलाफ थे और मुबारक सगर ने भी अपने मुस्लिम साथियों को समझाया कि अंग्रेज़ी हुकूमत मुसलमानों और हिंदुओं में फूट डालकर राज करना चाहती है।

ऐतिहासिक महत्त्व और आज की ज़रूरत

मुबारक सगर जैसे क्रांतिकारी साथियों की कहानियां हमें यह याद दिलाती हैं कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हर धर्म और वर्ग के लोगों ने बराबर योगदान दिया। आज जब कभी-कभी समाज में धर्म के नाम पर दीवारें खड़ी की जाती हैं, तो मुबारक सगर जैसे उदाहरण हमें बताते हैं कि अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ाई में भगत सिंह और उनके मुस्लिम साथी एक साथ खड़े थे, और आज़ादी सिर्फ किसी एक धर्म की नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान की जीत थी। मुबारक सगर ने यह साबित कर दिया कि कौम और मज़हब से ऊपर उठकर इंसानियत और इंसाफ के लिए लड़ना ही सच्ची देशभक्ति है।

मुबारक सगर का जीवन हमें यह सिखाता है:

आज़ादी की लड़ाई में हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई सबने एक साथ मिलकर बलिदान दिया। क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल होने के लिए मज़हब नहीं, बल्कि अपने मुल्क और इंसाफ से मोहब्बत ज़रूरी थी। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की सफलता में उनके मुस्लिम साथियों का भी बड़ा योगदान रहा। आज जब हम भगत सिंह की शहादत को याद करते हैं, तो हमें उनके उन साथियों को भी याद करना चाहिए जिन्होंने उनके साथ जेल की यातनाएं सही, भूख हड़ताल की, हथियार इकट्ठे किए और क्रांति के विचारों को हर गली-कूचे तक पहुंचाया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कर दोषियों के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई - भजनलाल शर्मा

-राज्य सरकार ने पिछले दो बजट में शैक्षणिक भवनों के लिए किया 625 करोड़ रुपये का प्रावधान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के सरकारी स्कूल में हुए दुखद हादसे के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने समस्त जिलों के जिला प्रशासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कार्यकारी एजेंसी, समसा एवं आरएसआरडीसी सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी भवनों, विशेष रूप से स्कूलों, अस्पतालों सहित अन्य सार्वजनिक भवनों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाए जाएं। इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, जो 5 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीपलोदी हादसे से हम सब दुखी हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए भवनों के निरीक्षण, मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। हाल ही में जिन भवनों की मरम्मत का काम किया गया है, उनकी भी जांच कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा कमी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

जर्जर भवनों को खाली कराकर किया जाए पुनर्वास-

मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर और उपयोग के लिए असुरक्षित पाए जाने पर भवनों को तुरंत खाली करवाया जाए और प्रभावितों का अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित कर उनके लिए अस्थायी कक्षाओं का संचालन सामुदायिक भवनों या अन्य सुरक्षित स्थानों पर किया जाए। उन्होंने इसके लिए शिक्षा विभाग को तुरंत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

जर्जर तथा नवीन भवनों के लिए किया बजटीय प्रावधान-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2024-25 में प्रदेश की राजकीय शिक्षण संस्थाओं और 750 विद्यालयों के भवनों की मरम्मत हेतु 250 करोड़ रूपये की बजट घोषणाएं की थी। साथ ही, बजट 2025-26 में भी भवनविहीन व जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत कार्य के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया था। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों के लिए 28 करोड़ रूपये दे रहे हैं। साथ ही डांग, मगरा, मेवात क्षेत्र विकास योजना, एमएलए लेड, एमपी लेड और जनजाति क्षेत्र विकास योजनाओं की राशि से भी ये कार्य करवाए जा सकते हैं।

भवनों की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट के लिए स्थायी तंत्र हो विकसित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सरकारी भवन की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य की जाए। इसके लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन कर स्थायी तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियों और स्थानीय पंचायतों को भवन सुरक्षा एवं रखरखाव के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के रखरखाव पर दिया जाए विशेष ध्यान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का अनिवार्य निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में 5 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

पीपलोदी हादसे से मन व्यथित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि झालावाड़ के पीपलोदी में सरकारी विद्यालय की छत गिरने से हुआ हादसा दुखद एवं हृदय विदारक है। इस दर्दनाक हादसे में मासूम बच्चों की मृत्यु से मन व्यथित है। राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी अधिकारियों और डॉक्टर्स के संपर्क में हैं तथा प्रशासन को हादसे में घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा गया है।

बैठक के दौरान पीपलोदी हादसे पर दो मिनट का मौन रखकर मृतक बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

राज्य में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ाने की बनेगी कार्ययोजना

-उत्पादित गैस की औद्योगिक उपयोग की तलाशी जाएगी संभावनाएं- रविकान्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य में क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ाने और प्राकृतिक गैस के प्रदेश में ही औद्योगिक उपयोग की कार्ययोजना बनाई जाएगी। प्रमुख सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने शुक्रवार को सचिवालय में पेट्रोलियम विभाग, ऑयल इण्डिया, ओएनजीसी और कैयर्न वेदान्ता के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में तेल और गैस के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीक को अपनाने और एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए । उन्होंने बताया कि इस समय प्रदेश में 60 से 61 हजार बैरल क्रूड ऑयल और लगभग 3.2 मिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस का प्रतिदिन उत्पादन हो रहा है।

रविकान्त ने कहा कि तेल उत्पादक कंपनियां प्रदेश के सीमेंट प्लांटों विशेषकर जैसलमेर में स्थित प्लांट्स में ग्रीन उर्जा के रुप में गैस की उपलब्धता और उपयोग की संभावनाओं को तलाशे। इससे प्रदेश में उत्पादित प्राकृतिक गैस का प्रदेश में ही औद्योगिक उपयोग हो सकेगा और इससे उत्पादक कंपनियों को यहीं पर बाजार और सीमेंट कंपनियों को सस्ती व हरित उर्जा प्राप्त हो सकेगीं। इसके लिए निदेशक पेट्रोलियम को भी समन्वय व सहयोग के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव रविकान्त ने बताया कि राज्य के बाड़मेर-सांचोर बेसिन में केयर्न वेदान्ता, जैसलमेर बेसिन और बीकानेर-नागौर बेसिन में ऑयल इण्डिया और ओएनजीसी कच्चे तेल और गैस का उत्पादन कर रही है। उन्होंने कहा कि तीनों बेसिन में तेल और गैस के प्रचुर भण्डार को देखते हुए खोज और उत्पादन में नई तकनीक अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सीएसआर गतिविधियों को भी विस्तारित करने पर जोर दिया।

कैयर्न इण्डिया की और से परियोजना निदेशक विनय माथुर, एक्सप्लोरेशन प्रमुख राजकुमार यादव, कॉरपोरेट अफेयर प्रमुख शाश्वत कुलश्रेष्ठ और राहुल दत्त माथुर ने कैयर्न की परियोजनाओं, भावी कार्यक्रमों और सीएसआर गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। इसी तरह से ऑयल इण्डिया के ईडी आरएफ संजय वर्मा, संजय धीरज रितुपर्ण शर्मा और पंकज मलिक ने प्रजेंटेशन के माध्यम से वर्तमान प्रगति और भावी कार्ययोजना की जानकारी दी। ओएनजीसी के जीजीएम बेसिन मैनेजर विकास मोहन, सीजीएम तरुण कुमार और जीएम प्रमोद त्रिपाठी ने बताया कि ओएनजीसी द्वारा उत्पादन बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार कर ली है और अगस्त माह से क्रियान्वयन आरंभ हो जाएगा। पेट्रोलियम निदेशक अजय शर्मा ने बताया कि राज्य में इन कंपनियों से गत वित्तीय वर्ष में 2688 करोड़ 91 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य मेंगत वर्ष 24.88 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल व 1250.82 मिलियन घन मीटर गैस का उत्पादन हो रहा है।

विधायक मनीष यादव की अनुशंसा पर 208.50 लाख रुपये की दो नवीन सड़कें स्वीकृत

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को लेकर एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। क्षेत्रीय विधायक मनीष यादव की सतत प्रयासों और अनुशंसा पर बजट वर्ष 2024-25 की घोषणा के अंतर्गत पूर्व में 10 करोड़ रुपये की नॉन पेचेबल/मिसिंग लिंक सड़कें एवं 2 करोड़ रुपये की अटल पथ परियोजना पहले ही स्वीकृत हो चुकी थी।

इसी कड़ी में अब क्षेत्र के लिए 2.70 किलोमीटर दूरी की दो और नवीन सड़को हेतु कुल 208.50 लाख रुपये की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

स्वीकृत सड़कों में नायन नदी से मेहरा की ढाणी तक 0.45 किमी लंबी सड़क, जिसकी लागत 83.50 लाख रुपये तथा बड्डी की ढाणी गोविंदपुरा बासड़ी स्कूल से खेजरोली रोड बुरोला तक 2.25 किमी लम्बी सड़क के लिए 125 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है।

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

क्षेत्रवासियों ने भी विधायक के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे एक प्रभावी और दूरगामी निर्णय बताया है।

महिपाल सिंह गुर्जर बने वन एवं पर्यावरण अभियान के सह संयोजक

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा मंडल मनोहरपुर में महिपाल सिंह गुर्जर को वन एवं पर्यावरण अभियान का सह संयोजक नियुक्त किया गया। गुर्जर ने प्रदेश संयोजक अशोक परनामी, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, जिला अध्यक्ष सुरेश सैनी समेत सभी पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए वे पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

निर्माण शाखा के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

-महापौर ने अधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ॰ सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में निर्माण शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें वार्डो में किये जा रहे विकास कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त पशु प्रबंधन मुकुट सिंह, वित्तीय सलाहकार सुनील सोनी, अधीक्षण अभियन्ता नितिन शर्मा, उद्यानविज्ञ सहित समस्त जोन एवं मुख्यालय अधिशाषी अभियन्ता मौजूद रहे।

महापौर ने वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी प्रगति रिपोर्ट ली। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को सख्त लहज़े में कहा कि विकास कार्यों में गति लाई जाये। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण रूप से तय समय में किये जाये।

बैठक में महापौर ने रामनिवास बाग में स्पोर्ट्स एकेडमी विकसित

करने, उद्यान के विकास कार्यों को करने एवं सड़कों की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही तिलक नगर सामुदायिक केन्द्र के कैम्पस में उपलब्ध खाली भूमि पर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाये जाने, निगम मुख्यालय के कैम्पस गार्डन एरिया में ट्रिपल बेसमेन्ट पार्किंग बनाये जाने, यूएलबी क्लब निर्माण, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अटल स्मृति उद्यान, अटल क्लब बनाने, पार्क सौन्दर्यीकरण, 8 वर्ष तक के आयु के बच्चों के लिए मानसरोवर में एक्सक्लूसिव चिल्ड्रन पार्क विकसित करने के संबंध में सबंधित अधिकारी से जानकारी ली तथा शीघ्र ही कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपायुक्त पशुप्रबंधन को निर्देश दिये कि आश्रयहीन गौवंश को हिगौनिया गौ-पुनर्वास केन्द्र में भिजवाये जाने के निर्देश दिये साथ ही दानदाताओं से हरा चारा कलेक्ट कर गौशाला भिजवाने के लिये भी निर्देश किया गया। जिससे की आमजन द्वारा गौवंश को सड़कों पर हरा चारा नहीं डाला जावें जिससे की सड़कों पर गंदगी नहीं फैंले और पशुओं की दुर्घटनाओं पर भी रोक लग सके।

जेडीए द्वारा 12 बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

-तीन बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-09 में हिंगोनिया गौशाला की करीब 03 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। निजी खातेदारी की करीब 12 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी ने बताया को जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम भुडतल के पास हिंगोनिया गौशाला की करीब 03 बीघा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर झाडियां, लकडी की छडें, कांटों की बाढ़ लगाकर सीमेन्ट के पिल्लर, लोहे के ऐंगल गाड कर तारबंदी, कर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर शुक्रवार को जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

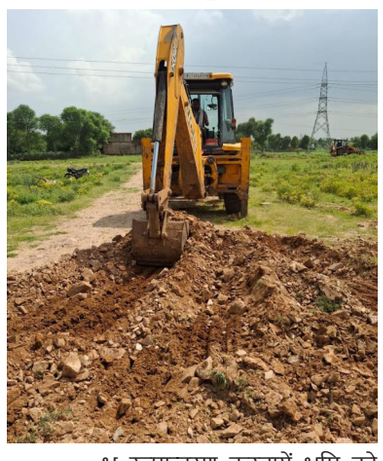

जेडीए द्वारा जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सिंदोली जिला जयपुर में करीब 07 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल करबनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित कुम्हारों की ढाणी ग्राम सिंदौली के पास जिला जयपुर में करीब 05 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल करबनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायतासे ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

चर्चित युवा कवि प्रकाश प्रियम मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान से होंगे सम्मानित

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। हिंदी के महान् साहित्यकार उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145 वीं जयंती के अवसर पर जयपुर में आयोजित होने वाले समारोह में लखेर (जयपुर) के युवा कवि प्रकाश प्रियम को मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा।

यह समारोह 3 अगस्त 2025 को जयपुर में आयोजित होगा। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा संस्था जयपुर के महासचिव डॉ. अरुण सक्सेना ने बताया कि यह पुरस्कार देश के ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों (कवियों) को उनके द्वारा उत्कृष्ट कविताओं के सृजन के लिए दिया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश प्रियम को यह सम्मान मिलने की सूचना पर वरिष्ठ कवि कैलाश मनहर, कल्याण गुर्जर 'कल्याण', कमल मनोहर, कमलकांत शर्मा, रामस्वरूप रावत्सरे, उमेश चंद्र 'चन्दर', सनी लाखीवाल, कवयित्री संतोषी, राजेंद्र सजल सहित अनेक साहित्यकारों ने खुशी प्रकट करते हुए अग्रिम बधाई व शुभकामनाएँ दी हैं।

युद्ध स्तर पर जारी है जेडीए का पेच रिपेयर अभियान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में हाल ही में हुई भारी वर्षा के चलते क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत हेतु जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा युद्ध स्तर पर पेच रिपेयर अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट निर्देशन एवं माननीय नगरीय विकास मंत्री के कुशल नेतृत्व में संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। जेडीए आयुक्त श्रीमती आनंदी ने बताया कि भारी बारिश के कारण शहर की कई प्रमुख सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया था। ऐसे में जेडीए ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने अभियंताओं को विभिन्न क्षेत्रों में मरम्मत कार्य तत्काल आरंभ करने के निर्देश दिए, जिनके अनुपालन में नियमित निरीक्षण और तेज गति से कार्य किया जा रहा है। इससे शहर की यातायात व्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है।

मरम्मत कार्यों में जेडीए द्वारा जीएसबी, डब्ल्यूबीएम, मिट्टी के कट्टे तथा कोल्ड मिक्स जैसी आधुनिक विधियों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीवर लाइन, पीएचईडी बीसलपुर पाइपलाइन, टॉरेंट गैस लाइन तथा ड्रेनेज खुदाई से प्रभावित सड़कों की भी प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत की जा रही है। शुक्रवार को जेडीए द्वारा चित्रकूट सेक्टर 5 व 6, खिरणी फाटक के पास एप्रोच रोड तथा गांधी पथ सहित विभिन्न स्थानों पर पेच रिपेयर एवं मरम्मत कार्य किए गए। वर्षाजनित आपात स्थितियों के शीघ्र समाधान हेतु जेडीए द्वारा 8 उप-बाढ़ नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण किया जा रहा है। जेडीए आमजन से अपील करता है कि मरम्मत कार्यों के दौरान धैर्य बनाए रखें एवं आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किए जा रहे हैं। भविष्य में वर्षा व आपदा जैसी परिस्थितियों से प्रभावी रूप से निपटने हेतु जेडीए द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन व माननीय नगरीय विकास मंत्री के नेतृत्व में दीर्घकालिक योजनाएं भी तैयार की जा रही हैं। यह अभियान निश्चित रूप से शहरवासियों के लिए राहतदायक सिद्ध होगा एवं जयपुर की सड़क व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और सुरक्षित बनाएगा

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-4 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 10 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी मण्डी, सहकार मार्ग, लक्ष्मी मन्दिर, किसान भवन लालकोठी मण्डी, आईबीएस हॉस्पिटल के पास पार्क से, कालवाड़ रोड़, कुमावत कॉलोनी खातीपुरा से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 10 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में लालकोठी मण्डी, सहकार मार्ग, लक्ष्मी मन्दिर, किसान भवन लालकोठी मण्डी, आईबीएस हॉस्पिटल के पास पार्क से, कालवाड़ रोड़, कुमावत कॉलोनी खातीपुरा से से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 10 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

नगर निगम द्वारा अब तक 821 गडढों, पोटहोल की गई मरम्मत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश के बाद इंजीनियरिंग की टीमों द्वारा तीन दिवस में अलर्ट मोड पर 821 गडढों, पोटहोल की मरम्मत की जा चुकी है। आयुक्त ने इंजीनियरिंग की टीमों को निर्देश दिये कि मानसून में आमजन को कोई परेशानी ना हो जिससे इंजीनियरिंग की टीम अलर्ट मोड पर कार्य कर रही है।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में 219 गडढों, पोटहोल की मरम्मत के साथ ही तीन दिवस तक लगातार सभी अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता फील्ड रहकर वह स्थितियों का जायजा लेकर सड़कों में मिलने वाले गड्ढों को तत्काल मरम्मत करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को 311, गुरूवार को 291 एवं शुक्रवार को 219 गडढों, पोटहोल की मरम्मत कर तीन दिवस में अब तक कुल 821 गड्ढे की मरम्मत करवाई जा चुकी है।

आयुक्त ने बताया कि तीन दिवस में मुरलीपुरा जोन में 77, विद्याधर नगर जोन में 78, झोटवाड़ा जोन में 144, मानसरोवर जोन में 109, सांगानेर जोन में 105, जगतपुरा जोन में 120 एवं मालवीय नगर जोन में 188 गड्ढें की मरम्मत की गई। अब तक कुल 821 गड्ढे, पोटहोल की मरम्मत करवाई जा चुकी है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

दरगाह परिसर में जर्जर भवन की पूरी सुरक्षा, पारदर्शिता और ज़िम्मेदारी सुनिश्चित करें

-अजमेर दरगाह के नाजिम अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे है - जौहर

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका) । अब्दुल सलाम जौहर (संयोजक मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन राजस्थान) ने नाजिम साहब दरगाह ख़्वाजा हजरत मोईनुद्दीन चिश्ती अजमेर शरीफ़ राजस्थान को पत्र लिखकर दरगाह परिसर में जर्जर भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा से पल्ला झाड़ने वाली सार्वजनिक आम सूचना पर आपत्ति जताई है। जौहर ने पत्र में लिखा है कि आदरणीय नाज़िम साहब, 21 जुलाई को आपके हस्ताक्षर से जारी की गई सार्वजनिक सूचना, जो अजमेर दरगाह शरीफ परिसर में लगाई गई है, को पढ़कर अत्यंत पीड़ा और निराशा हुई है। इस नोटिस में दरगाह परिसर में जर्जर या कमजोर इमारतों के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना की ज़िम्मेदारी से कार्यालय नाज़िम प्रशासन को मुक्त बताते हुए इसकी ज़िम्मेदारी ज़ायरीन पर डाल दी गई है। यह न केवल चौंकाने वाला है बल्कि कमेटी के कुप्रबंधन का शर्मनाक मामला है और यह प्रशासनिक ज़िम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ने व पीछे हटने जैसा है। जबकि नाज़िम कमेटी को दरगाह शरीफ़ में जर्जर भवन एरिया की तत्काल मरम्मत कराने और सुरक्षा उपाय शुरू करने चाहिये और अपनी ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए।

अजमेर शरीफ दरगाह केवल एक विरासत स्थल नहीं, बल्कि सभी धर्म के लाखों श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक आस्था का केंद्र है। ऐसे पवित्र स्थान पर आने वाले जायरीनों को खुद अपनी सुरक्षा का आंकलन करने को कहना और प्रशासन को कानूनी रूप से ज़िम्मेदारी से मुक्त घोषित करना, आपके पद की गरिमा एवं ज़िम्मेदारी के साथ बड़ा विश्वासघात है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आपने तत्काल मरम्मत और सुरक्षा उपाय शुरू करने के बजाय, इसकी ज़िम्मेदारी उन श्रद्धालुओं पर डाल दी जो आस्था और सम्मान के साथ यहां आते हैं। यदि इमारतें जर्जर हैं, तो उन्हें चिन्हित कर उनको घेरा क्यों नहीं गया? आपका कार्यालय इस पवित्र स्थल की देखरेख, रखरखाव और सुरक्षा के लिए है— यदि यही नहीं कर सकते तो उस पद पर बने रहने का औचित्य ही क्या है? आपकी यह आम सूचना असंवेदनशीलता, प्रशासनिक विफलता, नैतिक दिवालियापन एवं कुप्रबंध को दर्शाती है। ख़्वाजा अजमेर शरीफ की दरगाह विश्व प्रसिद्ध एक धार्मिक पवित्र आस्था स्थल है

संभाग स्तरीय मुस्लिम समाज प्रबुद्धजन सम्मेलन 27 जुलाई को बारां में

-डॉ. एपीजे कलाम जनसेवा संस्थान द्वारा आयोजित होगा भव्य कार्यक्रम

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मेन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर डॉ. एपीजे कलाम जनसेवा संस्थान बारां की ओर से दिनांक 27 - 07 - 2025 रविवार को पुलिस लाईन बारां के समीप निजी होटल में प्रातः 9 बजे से मुस्लिम प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मजीद मलिक कमांडो ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक अरशद अली होंगे। अध्यक्षता प्रगति कॉलेज ग्रुप कोटा के चेयरमैन डॉ. जफर मोहम्मद करेंगे। विशिष्ट अतिथि मोहम्मद मियां समाजसेवी कोटा, सर्वोदय कॉलेज ग्रुप के चेयरमैन ए जी मिर्जा, आरएएस अधिकारी मोहम्मद ताहिर, पुलिस उप अधीक्षक अनीस अहमद, तहसीलदार हफीज खान, तहसीलदार मंजूर अली दीवान, तहसीलदार अजहर मिर्जा, डॉ नासिर खान, प्रोफेसर गुलाम रसूल शिरकत करेंगे। कमांडो ने बताया कि कार्यक्रम में हाड़ौती संभाग के कोटा, बूंदी, झालावाड़ सहित बारां जिले के लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य मुस्लिम समाज में शिक्षा का विकास, कैरियर गाइडेंस, आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द सहित अन्य मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। कार्यक्रम के सह संयोजक माजिद सलीम ने बताया कि कार्यक्रम

में पूरे हाड़ौती संभाग में मुस्लिम समाज के 300 प्रबुद्धजनों शिरकत करेंगे तथा आगामी दिनों में इस प्रकार के कार्यक्रम अन्य जिलों एवं कस्बों में आयोजित कर मुस्लिम समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

महंगाई,बेरोजगारी,नशाखोरी को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिर्राज गुर्जर के नेतृत्व में भाजपा शासन में भ्रष्टाचार, बढ़ती महंगाई, बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ता अपराधीकरण, बजरी माफिया, भू माफिया, टीपर साइबर, नशाखोरी, बिजली कटौती, जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाने, आम जनता, गरीब मजदूर किसान, भ्रष्टाचार की मार झेल रही हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पा रहा। नगर परिषद में कोई सुनवाई नहीं हो पा रही किस्तों पर सभापति बना रहे हैं सड़के टूटी हुई है। आवारा पशुओं का सड़कों पर बैठने के कारण रोजाना दुर्घटनाएं गठित हो रही है। बंदरों का आतंक हैं सीवरेज लाइन

चौक है नालियां गंदगी से भरी हुई है सड़कों पर गंदगी फैल रही है रोजाना हत्याएं बलात्कार जैसी घटनाएं जिले में हो रही है आए दिन यात्रियों के गणेशजी दर्शन के लिए गेट बंद कर दिए जाते हैं। इन सब समस्याओं को लेकर महावीर पार्क पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला संगठन प्रभारी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने कहा कि सभी कार्यकर्ता भाजपा की नाकाम एवं पर्ची सरकार के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करें कांग्रेस का कार्यकर्ता जनता के साथ मिलकर भय भूख भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ने को तैयार है। बैठक के बाद में सभी ने रैली निकाल कर मुख्य बाजार में प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जन समस्याओ के लिए जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

भाजपा खंडार आईटी विभाग की बैठक सम्पन्न

-विधायक जितेन्द्र गोठवाल रहे उपस्थित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल जी ने आज खंडार विधानसभा में आईटी कार्यकर्ताओं की बैठक ली, बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक हरेंद्र कौशिक, खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्षगण एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे, बैठक में संगठनात्मक मजबूती एवं डिजिटल माध्यम से जनसंपर्क को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश साझा किए गए, और आगामी दिनों में भाजपा को सोशल मीडिया पर मजबूती प्रदान करने की योजना तैयार की गई । इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन,जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, जिलामंत्री गंगशंकर गौतम, रामहरि जाट, कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल सह कोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, खंडार मंडल अध्यक्ष महावीर गंडासिया, छान मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र, बरवाड़ा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, कुस्तला मंडल अध्यक्ष मनराज गुर्जर, ओम सुवालका, एवं खंडार विधानसभा के आईंटी एवं सोशल मीडिया के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनोहरथाना के दु:खद हादसे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक 2 मिनट का मोन रखकर की स्थगित

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से कानून व्यवस्था तथा बढ़ते अपराधों पर रोक लगाए जाने, नगर निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव करवाए जाने, स्मार्ट बिजली मीटर पर रोक लगाने एवं आरजीएचएस योजना का लाभ प्रदान करने, बारां की सड़कों को ठीक करवाने एवं बिजली आपूर्ति बहाल करवाए को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी, जिसे झालावाड जिले के ब्लॉक मनोहरथाना के ग्राम पिपलोदी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुई दुःखद घटना को लेकर स्थगित करते हुए 2 मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजली अर्पित की। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया तथा फिर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर पहुंचकर कांग्रेसजनों द्वारा जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन सौंपा गया। पत्रकार वार्ता में बारां जिला प्रभारी राखी गौत्तम ने कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से प्रदेश की कानून व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है। समाचार पत्रों में हमें आये दिन बलात्कार, लूटपाट, डकैती, चैन स्केनिंग, बजरी माफियाओं का आतंक आदि आपराधिक घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है और ऐसा लगता है कि प्रदेश में पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। रखी गौतम ने आगे कहा कि राज्य की भाजपा सरकार द्वारा नगर निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों को परिसीमन के नाम पर बार-बार टाला जा रहा है, जबकि बहुसंख्यक नगर निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। संविधान के अनुच्छेद 234

यू. तथा अनुच्छेद 243 ई, साथ ही पंचायतीराज अधिनियम-194 की धारा-17 तथा राजस्थान नगर पालिका अधिनियम-200 की धारा-7 में स्पष्ट प्रावधान है कि नगर निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का कार्यकाल 5 वर्ष का है तथा कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व इन संस्थाओं के चुनाव करवाने की प्रक्रिया प्रारम्भ करना आवश्यक है, किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा संविधान के प्रावधानों का उल्लघंन कर इन संस्थाओं के चुनाव टाले जा रहे है। इसी के साथ प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा नगर निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं के नाम पर मनमाने तरीके से वार्डो एवं पंचायतों का गठन किया जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश के उपभोक्ताओं के जबरदस्ती बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है जबकि उनके घरों पर पहले से ही अच्छी गुणवत्ता के बिजली मीटर विद्त विभाग द्वारा लगाए हुए है। इन स्मार्ट मीटरों के लगाए जाने से आमजन में गहरा रोष व्याप्त है। उन्होनें सरकार से इन स्मार्ट बिजली मीटरों के लगाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। आरजीएचएस योजना के लाभार्थियों को सुलभता से चिकित्सकीय परामर्श उपरान्त लिखी गई दवाईयां उपलब्ध नही हो पा रही है तथा सरकार पर करोड़ों रूपए इस योजना का बकाया है। भाजपा सरकार के कुप्रबन्धन के कारण एक जनहितकारी आरएचजीएस योजना खतरे में पड़ गई है। हर महिने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन से कटौती की जा रही है लेकिन इसके बावजूद उन्हें ईलाज की बेहतर सुविधा नही मिल पा रही है। बारां जिला मुख्यालय सहित जिले की कई महत्वपूर्ण सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है जिसके कारण कई गंभीर दुर्घटनाओं में जनहानि हो चुकी है तथा बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है, जिसके कारण आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन देने के दौरान पूर्व विधायक निर्मला सहरिया, पीसीसी सचिव हंसराज मीणा, संगठन महामंत्री कैलाश जैन, शहर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, सेवादल अध्यक्ष शिवांकर यादव, महिला अध्यक्ष बृजेश वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष रामस्वरूप बैरवा, भारतेन्द सिंह सिसोदिया, मूलचन्द शर्मा, मनोज भार्गव, अजीज नाजा, प्रियंका नन्दवाना, गजेन्द्र सुमन, प्रदीप मेहता, सत्यनारायण भूमल्या, महावीर बैरवा, सुरेषचन्द भाण्ड, शांतिलाल जैन, धर्मचन्द जैन, अशरफ देशवाली, सत्यनारायण चौधरी, कमल यादव, धर्मपाल शर्मा, ओम राठी, लेखराज शर्मा, छात्रसंघ महासचिव साजिद हुसैन, विजय बैरवा, वीरेन्द्र शांत, कुलदीप मीणा, सीताराम मेघवाल आदि उपस्थित रहे।

हजरत दीवाना शाह के उर्स की तैयारियां के लिए उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

मोहम्मद यासीन

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन दिवसीय उर्स के सुचारू आयोजन एवं समस्त व्यवस्थाओ के सम्बन्ध मे उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता मे हुई बैठक। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार 01 अगस्त से 03 अगस्त (6 सफर से 8 सफर तक) तीन दिवसीय उर्स की व्यवस्थाओ के सम्बन्ध मे उपखण्ड अधिकारी राजेश सुवालका की अध्यक्षता मे उपखण्ड कार्यालय मे शुक्रवार सांयकाल 04:00 बजे सभी विभाग के अधिकारीगण एवं वक्फ कमेटी सदस्यो की संयुक्त बैठक मे निम्नलिखित निर्णय लिये गए। उर्स अवधि नगरपालिका द्वारा दरगाह के आगे-पीछे व गांव मे जगह-जगह सी.सी. टीवी केमरे लगवाए एवं प्रतिदिन दरगाह के बाहर जायरीन के पीने हेतु टेंकर व्यवस्था, दरगाह के आगे-पीछे सड़क पर सभी खड्डे भरना, रोड व नालियो की प्रतिदिन सफाई, रोड लाईट, हाईवे चौराहा से स्टेशन तक आवारा पशु विचरण ना करे, ए.सी.जे.एम. के निवास स्थान से हाईवे चौराहा तक दोनो ओर के ठेलो को हटाना एवं फायर बिग्रेड 24 घण्टे उपलब्ध कराना। बिजली विभाग द्वारा उर्स मे बिजली व्यवस्था सुचारू रहे व लाईन मेन की ड्यूटी लगाई जाये जो वक्फ कमेटी के सम्पर्क मे रहे। जलदाय विभाग प्रतिवर्ष की भांति दरगाह कमेटी कहे वहां पर अस्थाई नल कनेक्शन लगाया जाये। चिकित्सा

विभाग द्वारा एक चिकित्सक, नर्स मेल व फिमेल दरगाह परिसर के बाहर के कमरो मे लगाया जाये एवं 24 घण्टे एम्बूलेन्स मय वाहन चालक उपलब्ध रहे। लोक निर्माण विभाग आर.एस.आ.डी.सी. द्वारा चित्तौडगढ़ से कपासन मार्ग पर सडक मरम्मत कराना, स्पीड ब्रेकर बनाना, संकेतक एवं बस स्टेण्ड से रेल्वे स्टेशन तक स्पीड ब्रेकर पर सफेद वार्निश कराये पुलिस विभाग द्वारा रेल्वे स्टेशन की तरफ रोकथाम हेतु बेरीकेटिंग करवा बाईपास से वाहन गुजारने, हाईवे से कोर्ट तक वन वे वाहन गुजारने, भारी व हल्के वाहन की पृथक-पृथक पार्किंग व्यवस्था हर साल की भाँति करे। रोडवेज विभाग अतिरिक्त बसे लगाये। दरगाह कमेटी बुलन्द दरवाजा पर मेडल डिक्टेटर, सी.सी. टी.वी. केमरे लगाए, विडियो ग्राफी, 50 स्वयं सेवक, बेरिकेटिंग, बिजली हेतु प्रयाप्त जनरेटर लगाए, पुलिस चौकी, डिस्पेन्सरी हेतु निःशुल्क व जहां-जहां पर बेरिकेंटिग बोर्ड, मायक व्यवस्था, बेनर, स्टीकर आदि उपलब्ध करायेगी। तहसीलदार उर्स के दौरान भू अभिलेख निरीक्षक, पटवारी व अन्य की ड्यूटी लगाये व स्थिति पर नजर रखे, कमेटी के अनुरोध पर आवश्यक पास जारी करे, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, भीड नियंत्रण पर विशेष ध्यान रखे। एवं थानाधिकारी के साथ विशेष व्यवस्थाओं का जायजा लेवें। पुलिस व्यवस्था माकूल रखी जावे व गए साल से ज्यादा पुलिस जाब्ता तैनात किया जावें। बैठक मे डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, तहसीलदार नासीर बेग मिर्जा, नगरपालिका ई.ओ. ललीत सिंह देथा, अजमेर विधुत वितरण निगम के ए.ई.एन. मुनीष कावन्ट, डॉ. नरोत्तम पाल सिंह, पी.एच.ई.डी. सहायक अभियन्ता फूल सिंह मीणा, जे.ई.एन. पी.डब्यू.डी. हितेश मोर्या, सी.डी.पी.ओ. उमा शर्मा, शिक्षा विभाग से आर.पी. महेन्द्र कुमार चाष्टा, दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी, नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी, हाजी मुबारिक हुसैन शैख, खजांची अब्दुल वहीद अंसारी, सदस्य अशफाक तुर्किया, सैयद अख्तर अली, हाजी अर्ब्दुरहमान मंसूरी, सैयद ऐजाज अली नगरपालिका उपाध्यक्ष, हाजी जेनुद्दीन, हाजी शराफत हुसैन भाटी, जाकीर हुसैन अंसारी नगरपालिका पूर्व उपाध्यक्ष ने बैठक मे भाग लिया।

जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द बारां ने मनोहर थाना स्कूल हादसे पर संवेदना व्यक्त की

बारां,(रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र स्थित पीपलोदी गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने से कई मासूम छात्रों की मृत्यु होने ओर बड़ी संख्या में घायल होने की अत्यंत दर्दनाक खबर ने हमें अंदर तक झकझोर दिया है। इस दुःखद हादसे में प्रभावित सभी छात्र, उनके परिजन, विद्यालय परिवार और संपूर्ण क्षेत्र के साथ जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां पूरी हमदर्दी और एकजुटता के साथ खड़ी है। अमीर ए मकामी हाजी लईक अहमद ने कहा कि इस भीषण त्रासदी पर हम गहरा शोक प्रकट करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ करते हैं। साथ ही हम मनोहरथाना और आसपास के क्षेत्रों के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से अपील करते हैं कि इस आपदा की घड़ी में आगे बढ़कर पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करें, चाहे वह रक्तदान हो, राहत सामग्री हो या भावनात्मक सहारा। अल्लाह तआला हम सबको इस परीक्षा की घड़ी में खिदमत और सब्र की तौफीक दे।

"तेरे मेरे सपने" पहल के अंतर्गत पाली जिले में विवाह पूर्व संवाद केन्द्र की स्थापना

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय महिला आयोग की पहल "तेरे मेरे सपने" के अंतर्गत जिले में विवाह पूर्व संवाद केन्द्र की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य युवाओं को विवाह पूर्व संवाद कौशल सिखाकर उन्हें सशक्त बनाना पारिवारिक संबंधों को मजबूत करना तथा समाज में स्थायी और सम्मानजनक वैवाहिक संबंधों को प्रोत्साहित करना है। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के निर्देशन में उपनिदेशक महिला अधिकारिता भागीरथ द्वारा इस केन्द्र की स्थापना कार्यालय उपनिदेशक महिला अधिकारिता लेबर कोर्ट के पीछे शिवाजी नगर पाली में की गई है। यह केन्द्र युवाओं को विवाह से पहले एक-दूसरे को समझने आपसी संवाद स्थापित करने तथा वैवाहिक जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने में सहायक होगा केन्द्र में युवाओं को परामर्श प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान की जाएगी जिससे वे वैवाहिक जीवन की शुरुआत बेहतर समझदारी और सामंजस्य के साथ कर सकें। यह पहल न केवल भावी दंपतियों को मानसिक और सामाजिक रूप से तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है बल्कि यह समाज में घटते पारिवारिक संवाद की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की बेटी संस्था द्वारा विभिन्न स्कूलों एवं ग्रामीणों में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । महिलाओं और बेटियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु शुक्रवार को 'भारत की बेटियां संस्था' द्वारा चूरू के विभिन्न स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में एक 'जागरूकता कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में चूरू के विभिन्न स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बेटियों को वित्तीय प्रबंधन, कौशल विकास और आत्मनिर्भर बनाने के गुर सीखाए गए। साथ ही कार्यशाला में महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनमें आत्मविश्वास जागृत कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल की गई। भारत की बेटियां संस्था' की संस्थापक सुश्री ध्रुविका राठौड़ और सुश्री सिया गुप्ता द्वारा बताया गया कि संस्था अब तक चूरू क्षेत्र में करीब 3 हजार से अधिक महिलाओं और बेटियों को जागरूक कर चुकी है। इस दौरान संस्था ने उन्हें वित्तीय प्रबंधन, मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास जागरूक करना, कौशल विकास

में दक्षता सहित उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु कई कार्य किए गए हैं। राठौड़ और गुप्ता ने बताया कि महिलाओं और बेटियों में आत्मविश्वास जगाना इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। अक्सर समाज में महिलाओं को अपनी क्षमता पर संदेह करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस कार्यक्रम के जरिए उन्हें अपनी अद्वितीय क्षमताओं को पहचानने एवं अपनी आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। संस्था समूहिक चर्चाएं, कार्यशालाएं और परामर्श सत्र के जरिए उन्हें अपनी राय को व्यक्त करने का अवसर प्रदान कर उनसे सीधे संवाद किया जा रहा है। साथ ही उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह बढ़ा हुआ आत्मविश्वास उन्हें व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में सफल होने में सक्षम बनाएगा। राठौड़ और गुप्ता ने बताया कि चूरू क्षेत्र में महिलाओं और बेटियों के उत्थान और कल्याण के लिए की जा रही यह पहलें वास्तव में एक सार्थक बदलाव लाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगी। इन प्रयासों का मूल उद्देश्य उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त बनाना, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना, आत्मविश्वासी और कुशल में दक्ष बनाना है ताकि वे सभी आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। यह सिर्फ कोई कार्यशाला नहीं है बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण है जो आने वाले समय में चूरू की महिलाओं और बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

अंगदान अभियान में प्रदेश में पांचवें पायदान में करवाये सबसे अधिक 580 रजिस्ट्रेशन

-मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार की मुहिम ला रही रंग

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ.एमएम पुकार की अंग व देह दान को लेकर चलायी गयी मुहिम अब रंग लाने लगी हैं। डॉ.पुकार ने अपनी मेहनत के दम पर प्रदेश में चूरू को अब पांचवें नंबर पर ला दिया हैं। 12 जुलाई से शुरू हुए अभियान में चूरू पहले 22वें नंबर पर था। इसके बाद नौवें नंबर और शुक्रवार को चूरू पांचवें पायदान पर पहुंच गया हैं। इसके अलावा शुक्रवार को प्रदेश में चूरू में अंगदान के सबसे अधिक 580 रजिस्ट्रेषन हुए हैं। अंगदान के लिए किये गये सभी रजिस्ट्रेशन आधार बेस पर हैं। जिसमें 50 रजिस्ट्रेशन झुंझुनूं, सीकर व जयपुर के खाते में गये हैं। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि शुक्रवार को चूरू में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक 580 अंगदान के रजिस्ट्रेशन करवाये हैं। जबकि शुक्रवार को पूरे राजस्थान में 917 रस्ट्रिेशन हुए हैं। उन्होंने बताया कि चूरू की कॅरियर एजुकेशन गुप में भी कार्यक्रम रखा गया हैं। जिसमें कॉलेज के स्टूडेंट को अंगदान के महत्व के बारे में गंभीरता

से बताया। उन्होंने बताया कि अंगदान के द्वारा हम इस दुनिया से जाने के बाद भी दूसरे लोगों में जीवित रह सकते हैं। हमारे द्वारा किया गया अंगदान दूसरे को जीवन दे सकता हैं। डॉ.पुकार ने बताया कि दुनिया अंगदान करने से बेहतर कोई पुण्य का काम नहीं हैं। कॅरियर कॉलेज में 130 स्टूडेंट व स्टाफ ने अंगदान के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया हैं। कॅरियर कॉलेज से अमीलाल धेतरवाल, मनरूप धतरवाल, हनुमान सिंह धीनवाल, सुरेशसिंह राठौड़ ने भी कार्यक्रम में सहयोग किया। मेडिकल कॉलेज से डॉ.एमएम पुकार के नेतृत्व में एमआरएस इंचार्ज ताराचंद, नर्सिंग आफिसर रणजीत, सन्ने सिंह, इमरजेंसी इंचार्ज मुकेश बावलिया, महिपाल, सुभाष पूनिया, कैलाश सैनी, सुमित दूबे, संदीप धोलपुरिया, वेदप्रकाश खीची व हितेश चौहान आदि ने सहयोग किया।प्रदेश मे जयपुर एक नंबर पर चूरू मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ.एमएम पुकार ने बताया कि अंगदान अभियान में फिलहाल जयपुर एक नंबर पर है। जयपुर में अभी तक 4007 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। दो नंबर पर झुंझुनूं ने 3397, तीन नंबर पर सीकर ने 3173, चार नंबर डूंगरपुर ने 2992 रजिस्ट्रेशन करवाये है। पांचवें नंबर पर चूरू ने 2782 रजिस्ट्रेशन करवाये हैं। इसके अलावा चूरू मेडिकल कॉलेज में अभी तक 36 देहदान के आवेदन आये है। जिनमें नौ डॉ.पुकार के आने के बाद हुए है। इसमें एक दंपति ने भी गत दिनों देहदान के लिए रजिस्ट्रेशन करवाकर शपथ ली हैं।

आदर्श नर्सिंग इंस्टिट्यूट में पौधारोपण किया गया

- हरियाली है तो पर्यावरण सुरक्षित है- डॉ. मुमताज अली

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर औद्योगिक क्षेत्र में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत एच एन हॉस्पिटल की तरफ से डॉ. जाकिर हुसैन शिक्षण संस्थान व आदर्श नर्सिंग इंस्टिट्यूट में 500 पौधे लगाए गए। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक नगेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने क्षेत्र में पौधा लगाना चाहिए। जिससे आगे जाकर ये पौधा ही आपको छाया देगा। डॉ. मुमताज अली ने कहा कि पौधा लगने से वनों का सरंक्षण होता है। पौधा लगाने से पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। समाज सेवी अनिल राहड, गनी खां, हाजी फजले हक़ चौहान, रशीद खान मोयल, सलामू दीन खां, हाजी अहमद हुसैन व समस्त स्टाफ की उपस्थिति में बच्चों को पौधे भी वितरित किए गए और उन पोधो अपने छोटे भाई की तरह रख रखाव करने की शपथ भी दिलाई गई।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी चुरु द्वारा ऑल मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू द्वारा आयोजित किया जाने वाला, बहू प्रतीक्षित प्रतिभा सम्मान समारोह (बोर्ड 10th /12th कक्षा के छात्र), 27 जुलाई, 2025 को होने जा रहा है। स्थान : जयपुर रोड, चूरू स्थित मदरसा, जामिया अरबिया इस्लामिया दारुल उलूम, चूरू। समय : सुबह 10 बजे। 27 जुलाई, 2025 रविवार को जिला प्रशासनिक अधिकारियों के सानिध्य में संपन्न होगा जिसमें समाज के प्रबुद्ध जन एवं समाज की छात्र-छात्राएं प्रतिभाएं सम्मानित होंगी समाज के सभी गणमान्यजनों से निवेदन है कि, समारोह में समय पर पहुंच कर अपना स्थान ग्रहण करें और आयोजन को सफल बनाएँ। समारोह की तैयारियां संपूर्ण हो चुकी है।

ऊर्जा क्षेत्र में 3 ज्वाइंट वेंचर कंपनियों से आएगा 11 हजार 200 करोड़ का निवेश

-गंगानगर क्षेत्रवासियों को भी मिलेगा लाभ

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप एवं उनकी कार्यशैली के अनुसार राजस्थान वासियों को 24 घंटे घरेलू तथा 8 घंटे कृषि विद्‌त उपलब्ध होती रहे, इसको लेकर विभिन्न प्रकार के विद्‌त उत्पादन के प्रयास रंग लाने लगे हैं। राजस्थान में भीषण गर्मी के दौरान नागरिकों को 24 घंटे निर्बाध विद्‌त मिले, इसको लेकर किये जा रहे कार्यों में सफलता निश्चित रूप से दिखाई दे रही है। गंगानगर जिला राजस्थान के उन जिलों में है, जहां भीषण गर्मी का प्रकोप रहता है, ऐसे में बच्चों, वृद्धजनों, बीमार व्यक्तियों तथा छात्रों को विद्‌त की महत्ती आवश्यकता रहती है। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विद्‌त क्षेत्र में सुधार व नियमित विद्‌त आपूर्ति को लेकर जो प्रयास किये गये हैं, उनका लाभ गंगानगर की जनता को भी मिलेगा। 48 एवं 49 डिग्री तापक्रम के दौरान विद्‌त की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है, ऐसे में विद्‌त सुधार के कार्य आमजन जीवन के लिये राहत देने वाले होंगे। गत दिनों राज्य सरकार और 3 केन्द्रीय पीएसयू के बीच हुए एमओयू की अनुपालना में तीन ज्वाइंट वेंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों को भी केबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। इन जेवी कंपनियों में राज्य सरकार की कंपनियों की शेयर होल्डिंग के लिए वर्तमान परिसंपत्तियों से अंश पूंजी की व्यवस्था की जाएगी। इन जेवी से राज्य में अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी, जो बिजली की पीक लोड डिमांड को पूरा करेगा। साथ ही, बिजली उत्पादन में प्रदेश के वित्तीय भार में कमी आएगी।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच स्थापित होने वाली जेवी में हिस्सेदारी क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत रहेगी। इसमें आरवीयूएनएल के सोलर पार्क में 500 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना स्थापित की जाएगी। इस परियोजना से 2,000 करोड़ रुपये का प्रदेश में निवेश होगा। इसी प्रकार, अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड एवं आरवीयूएनएल के मध्य ज्वाइंट वेंचर भी बनाई जाएगी। यह उपक्रम एक हजार मेगावाट की सौर ऊर्जा और 200 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा। 50-50 प्रतिशत की शेयरधारिता वाली इस जेवी के माध्यम से प्रदेश में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। गेल (इंडिया) लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच 50-50 प्रतिशत की शेयरधारिता वाली जेवी की स्थापना की जाएगी। इस जेवी कम्पनी को गैस आधारित धौलपुर पावर प्लांट की 300 मेगावाट क्षमता की व रामगढ़ पावर प्लांट की 270.50 मेगावाट क्षमता की मौजूदा इकाइयों का हस्तान्तरण किया जाएगा। गेल इन दोनों पावर प्लांटों के संचालन के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। इससे इन पॉवर प्लांटों के संचालन और दक्षता में बढ़ोतरी होगी। यह जेवी 750 मेगावाट की सौर ऊर्जा व 250 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना भी करेगी।

जिला उद्यान विकास समिति की बैठक का आयोजन

-कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं में अधिक से अधिक पात्र को लाभान्वित करें

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला उद्यान विकास समिति अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्यान विकास समिति की बैठक गुरूवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में संयुक्त निदेषक कृषि विस्तार परेष पंड्या ने कृषि विभाग के अन्तर्गत संचालित योजनाओं पाईप लाईन, तारबंदी, फार्म पौण्ड, मिनिकिट्स, कृषि यंत्र, बीज प्रदर्षन, कृषक प्रषिक्षण, कृषि सखी प्रषिक्षण, बुवाई, उर्वरक उपलब्धता आदि पर विस्तार पूर्वक गत वर्ष आवंटित लक्ष्यों तथा किये गये कार्यो एवं वर्तमान सत्र के आवंटित लक्ष्य तथा अब तक की गई कार्यवाही के बारें में जानकारी प्रदान की। बैठक में उप निदेषक उद्यान विकास कुमार चेचानी ने उद्यान विभाग द्वारा जिले के किसानों हेतु संचालित विभिन्न उद्यानिकी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिषन अन्तर्गत फल बगीचों की स्थापना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना, फल बगीचों का जिर्णोद्धार एवं संरक्षित खेती अन्तर्गत पॉली हाउस एवं षेडनेट हाउस निर्माण के नवीन दिशा-निर्देशो एवं लक्ष्यों पर चर्चा

की गयी। बैठक में जिला कलक्टर सिंह द्वारा विभिन्न योजनाओं की गत वर्ष लक्षित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं के अन्तर्गत लाभान्वित करने हेतु निर्देषित किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत ड्रिप, मिनि स्प्रिंकलर एवं फव्वारा संयंत्र हेतु उद्यान आयुक्तालय जयपुर से प्राप्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य योजना तैयार कर शत् प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति करने हेतु निर्देषित किया। उन्होंने पीएम कुसुम योजनान्तर्गत सौर उर्जा संयंत्र के लक्ष्यो की प्राप्ति हेतू क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतू अधिकारियो को निर्देशित किया। बैठक में उप निदेशक उद्यान द्वारा कोल्ड स्टोरेज, पैक हाउस, कोल्ड रूम, रेफ्रिजरेटेड ट्रासंपोर्ट व्हीकल पर अनुदान हेतू कृषकों, उद्यमियों को आ रही समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमानसिंह राठौड ,संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) परेश कुमार पण्ड्या, कृषि विज्ञान केन्द्र डूंगरपुर डॉ. सी.एम.बलाई, एफपीओ के सीओ गीताराम मीणा एवं रामकेश मीणा, सहायक निदेशक कृषि छिद्दासिंह, विमलेश कालेर, श्रीमती गीता रोत, कृषि अधिकारी उद्यान जीवराम ताबियाड एवं कैलाश चन्द्र मीणा, कृषि अधिकारी (विस्तार) श्रीमती सोनू काला, आत्मा सोहनलाल मीणा एवं प्रगतिशील कृषक सुन्दर लाल पाटीदार एवं रमेश पटेल, उद्यमी रफिक भाई एवं अन्य संबंधित विभगीय अधिकारी गण मौजूद रहें।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड 11 हजार किसानों को मिला कृषि कनेक्शन

-किसानों को कृषि कनेक्शन देने में अजमेर डिस्कॉम शीर्ष पर सीकर व भीलवाड़ा सर्किल आगे

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर राज्य के किसानां को कृषि कनेक्शन देने में अजमेर डिस्कॉम प्रदेश में अग्रणी है। अजमेर डिस्कॉम ने वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 11 हजार से ज्यादा किसानों को कृषि कनेक्शन जारी किए हैं। अजमेर विद्‌त वितरण निगम लिमिटेड ने किसानों को बिजली कनेक्शन जारी करने में प्रगति करते हुए प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) में कुल 11004 कनेक्शन जारी कर 14 जिलो के किसानों को लाभान्वित किया है। इस दौरान सर्वाधिक कृषि कनेक्शन सीकर में 2610 तथा भीलवाड़ा में 1617 जारी किए गए है। प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रेल माह से जून माह की अवधि के दौरान जारी कृषि कनेक्शन की प्रगति में निगम के सीकर व भीलवाडा सर्किल आगे है। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार की मंशा के अनुसार अजमेर विद्‌त वितरण निगम किसानों को कृषि कनेक्शन जारी करने तथा निर्बाध विद्‌त आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। वर्मा ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष के दौरान अभी तक अजमेर विद्‌त वितरण निगम ने अजमेर सर्किल में 721, ब्यावर सर्किल में 353, भीलवाड़ा सर्किल में 1617, नागौर सर्किल में 208, डीडवाना सर्किल में 255, झुंझुनूं सर्किल में 1096, सीकर सर्किल में 2610, बांसवाड़ा सर्किल में 281, डूंगरपुर सर्किल में 606, चित्तौड़गढ़ सर्किल में 1015, प्रतापगढ़ सर्किल में 544, राजसमंद सर्किल में 706, सलूम्बर सर्किल में 193 तथा उदयपुर सर्किल में 800 कृषि कनेक्शन जारी किए गए है।

हरियाली अमावस्या पर विद्यालय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

-प्राचीन शिव मंदिर और बावड़ी परिसर में सजी हरियाली की चादर

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर सुखदेव भाई राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुनाली द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण गांव के प्राचीन शिव मंदिर और ऐतिहासिक बावड़ी के निकट आयोजित किया गया जिसमें स्टाफ, विद्यार्थियों एवं ग्राम वासियों द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिका जोशी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि ष्वृक्ष जीवन के आधार हैं, और इस प्रकार के आयोजन बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जागृत करते हैं। कार्यक्रम में नीम, पीपल, चंपा,बोटल पाम, जामुन, शीशम, आम, गुलमोहर जैसे कई छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पुनाली की प्रशासक अशोक देवी परमार, समाजसेवी पदम सिंह डाबी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दोवड़ा दीपक कुमार शाह, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दोवड़ा अजय जैन, पीटीए अध्यक्ष रमेश चंद्र भट्ट, भामाशाह राजपाल सिंह ,सर्व समाज सेवा मंडल अध्यक्ष

शिवलाल पाटीदार, विद्याशंकर सुथार,भामाशाह सुरेश जोशी, भामाशाह नारायण पंड्या, भामाशाह प्रकाश सुथार, ग्राम विकास अधिकारी वैभव त्रिवेदी ,ओम प्रकाश व्यास, हेमंत जोशी ,उज्जवल भट्ट, आयुष व्यास, मोहनलाल पंचाल विद्यालय की प्रथम सहायक रेखा गर्ग एवं समस्त स्टाफ साथी विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें। सभी ने विद्यालय की इस पहल की सराहना की और युवाओं को इस परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के द्वारा पर्यावरण संरक्षण व गांव की सांस्कृतिक धरोहरों कृ शिव मंदिर और बावड़ी कृ के सौंदर्य और संरक्षण का संदेश भी दिया गयज्ञं

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान: हरियाळो-राजस्थान' संसदीय कार्य मंत्री ने सांगरिया में किया वृक्षारोपण

-सांगरिया सैटलाइट अस्पताल से क्षेत्रवासियों को मिलेगी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान - हरियाळो-राजस्थान' के तहत ग्राम पंचायत सांगरिया पंचायत समिति लूणी में वृक्षारोपण कार्यक्रम गुरुवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री ने तेजाजी महाराज के दर्शन कर प्रदेश के खुशहाली की कामना की।

हरियाली तीज के दिन प्रदेश भर में ढाई करोड़ पौधे लगाए जाएंगे

संसदीय कार्य ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हरियालो राजस्थान की शुरुआत की और पिछले वर्ष लगभग साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा हरियाली तीज के दिन प्रदेश भर में ढाई करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से बारिश के इस सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधे

लगाने और हरियालो राजस्थान के संकल्प साकार करने का आह्वान किया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के समग्र विकास को समर्पित ऐतिहासिक बजट दिया है। उन्होंने कहा सांगरिया सैटलाइट अस्पताल से क्षेत्रवासियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलेगी। उन्होंने कहा सांगरिया में अटल प्रगति पथ के निर्माण से बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

युवाओं के लिए 4 लाख सरकारी नौकरी

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा प्रदेश सरकार 75 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी पदों पर नियुक्तियां दे चुकी है। 81 हजार से अधिक पदों का परीक्षा कैलेण्डर और 26 हजार भर्तियों के विज्ञापन जारी हो चुके हैं। उन्होंने कहा राजस्थान सरकार 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देना सुनिश्चित करेगी। पटेल ने कहा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना में 17 लाख से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा 33 हजार बेटियों को स्कूटी और साढ़े दस लाख से ज्यादा साइकिलों का वितरण बालिकाओं को किया गया है।

हरियाली अमावस्या के अवसर पर नाग पहाड़ पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

-सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व को देखते हुए नाग पहाड़ को अतिशय क्षेत्र के रूप में मिले पहचान

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर गुरुवार को नाग पहाड़ स्थित ऐतिहासिक एवं सनातन धार्मिक स्थल पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। राजस्थान गुर्जर महासभा द्वारा आयोजित आदि गुर्जर तीर्थ नाग पहाड़ परिक्रमा यात्रा में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना के नेतृत्व में बुजुर्गों, मातृशक्ति, युवाओं और बच्चों सहित हिंदू समाज के लोगों ने सहभागिता निभाई। भड़ाना ने लक्ष्मी पोल क्षेत्र में भगवान देवनारायण की पाठ ईंट प्रकट स्थली पर ध्वजारोहण कर पूजा अर्चना की। बगड़ावतों के गुरु रूपनाथ की धूणी पर भी विधिवत पूजन किया गया। उन्होंने इस तीर्थ को धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास करने के लिए कहा। भड़ाना ने कहा कि नाग पहाड़ क्षेत्र को राज्य स्तरीय धार्मिक एवं पर्यावरणीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, और आध्यात्मिक गरिमा इसे एक विशिष्ट तीर्थ और पर्यावरणीय पर्यटन स्थल बनाने योग्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से इस संबंध में आग्रह कर नाग पहाड़ को अतिशय क्षेत्र घोषित करने के प्रयास किए जायेंगे। भड़ाना ने

कहा कि लगभग 25 किलोमीटर लंबी यह तीर्थ यात्रा अत्यंत दुर्गम मार्ग से होकर गुजरती है। इस पर हजारों श्रद्धालु प्रातः 4 बजे से ही यात्रा प्रारंभ कर देते हैं। उन्होंने कहा कि अगली हरियाली अमावस्या तक कम से कम 5 स्थानों पर मेडिकल टीमें, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही यात्रा मार्ग को सुगम बनाने के लिए कार्य किए जाएंगे। इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यात्रा अधिक सुलभ बन सकेगी। भड़ाना ने कहा कि यह क्षेत्र गुर्जर बगड़ावतों की कर्मस्थली रहा है। जो यहां गौ-पालन एवं गाय चराने का कार्य करते थे। लक्ष्मी पोल से भगवान देवनारायण के मंदिर के निर्माण के लिए ईंटें यहीं से लेकर जाई जाती थीं। ये इसकी पौराणिक महत्ता को दर्शाती है। यह क्षेत्र महर्षि विश्वामित्र, अगस्त्य मुनि और राजा भर्तृहरि जैसे महान संतों की तपोभूमि भी रहा है। हरियाली अमावस्या मेले में स्थानीय ग्रामीणों एवं धार्मिक संगठनों द्वारा भंडारे, जलसेवा और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

जिला कलक्टर ने ली बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक वित्तीय समावेशन शिविर एवं फसल बीमा योजना की समीक्षा

-डुप्लिकेट खातों की पहचान कर अपलोड किया जाए प्रूफ

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत पात्र कृषकों को अधिकतम लाभ से जोड़ने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि केसीसी धारकों की फसल बीमा पॉलिसी का जनरेशन अपेक्षा से कम है। इसे बढ़ाने के लिए बैंकिंग संस्थाएं सक्रिय रूप से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अभी तक जिन खातों में बीमा पॉलिसी जनरेट नहीं हुई है उन्हें प्राथमिकता से कवर किया जाए। इससे सभी पात्र कृषक योजना से लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि बैंकों द्वारा केसीसी खातों का पोर्टल पर समय पर अपलोड सुनिश्चित किया जाए। डुप्लिकेट खातों की स्थिति में सत्यापन दस्तावेज़ अपलोड करने की प्रक्रिया भी नियमानुसार की जाए। लोकबंधु ने कहा कि फसल

बीमा के अंतर्गत ऑन स्पॉट पॉलिसी जनरेशन को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि किसी भी पात्र किसान को बीमा के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए। इसके लिए बैंकों, बीमा कंपनियों और कृषि विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ने कहा कि वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत आयोजित हो रहे शिविर में जन धन खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक व्यक्तियों को जोड़ा जाए। साथ ही जन जन धन खातों का री-केवाईसी लंबित होने एवं अगले एक साल में ड्यू होने वाला है उनकी भी री केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की जाए। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलक्टर वंदना खोरवाल, अग्रणी जिला प्रबंधक संजय कुमार सिंह,बीमा कंपनियों के अधिकारी, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं सभी बैंक शाखाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वर्षा जल संरक्षण एवं पौधारोपण से होगा हरियालो राजस्थान का सपना साकार- हरिभाऊ बागडे

-युवाओं में नशे की रोकथाम के लिए चलाएं जागरुकता अभियान

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ज़िला स्तरीय अधिकारियों की विभागवार समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण करवाये जाने तथा किताबी ज्ञान के साथ-साथ नवीन शोधपरक जानकारियाँ बच्चों के साथ साझा करने की बात कही। जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो साथ ही उनकी बौद्धिक व विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ सकें। उन्होंने जिले में संचालित राजकीय स्कूलों व उनमें अध्यनरत छात्र-छात्राओं की संख्या, मिड-डे-मील योजना की जानकारी लेते हुए छात्र-छात्राओं को मिड-डे-मील योजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण प्रदान किये जाने की बात कही। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जिले में टी.बी.मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत क्षय रोगियों की संख्या, उनकी स्क्रीनिंग व निक्षय मित्र के माध्यम से उन्हें पोषण किट वितरण करने की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सा विभाग को टी.बी. मुक्ति की दिशा में प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन में हर घर जल पहुँचाने के लिए अधिकारी करें प्रभावी मॉनिटरिंग

बैठक में उन्होंने नर्मदा नहर परियोजना के तहत ई.आर., एफ.आर. व डी.आर. प्रोजेक्ट की समीक्षा की तथा जल जीवन मिशन के तहत एफएचटी कनेक्शन की गति बढ़ाते हुए पेयजल स्त्रोत निर्माण के कार्यों को समय पर पूर्ण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या समाधान की दिशा में जल जीवन मिशन बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। हर घर जल पहुँचाने के लिए अधिकारी इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण व भू-जल स्तर सुधार से "हरियालो राजस्थान" की दिशा में प्रदेश अग्रसर हो सकेगा। उन्होंने वर्षा जल के सहेज कर रखने की बात कही जिसके फलस्वरूप जिले में पानी की समस्या से मुक्ति मिले। उन्होंने डिस्कॉम की कुसम योजना की प्रगति देखी तथा पंचायतीराज की स्वामित्व योजना में जारी किए गए पट्टों पर जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पीएम आवास योजना व एमजीनरेगा के तहत जिले में प्रगतिरत कार्यों व स्वीकृत कार्यों के बारे में चर्चा करते हुए नरेगा में पौधारोपण, टांका निर्माण व जल संरक्षण के कार्यों को अधिक से अधिक करवाये जाने की बात कही। उन्होंने नगरीय निकायों व ग्रामों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए घर-घर कचरा संग्रहण के माध्यम से एकत्रित किए गए कचरे के समुचित निस्तारण को लेकर निर्देशित किया।

समारोहपूर्वक मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होगा मुख्य समारोह

-अतिरिक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में तैयारी समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 15 अगस्त को समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने मुख्य समारोह की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को बैठक कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग डॉ. करणी सिंह स्टेडियम का समय पर निरीक्षण कर लें और समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर की ऐतिहासिक इमारतों और चौराहों को सजाया जाए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि मुख्य समारोह से पूर्व संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर आवास तथा कार्यालय, बीकानेर विकास प्राधिकरण सहित सभी कार्यालयों में ध्वजारोहण होगा। मुख्य समारोह के दौरान देशभक्ति और सांस्कृतिक एकता से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने परेड, मार्च पास्ट के

निरीक्षण, व्यायाम एवं योग प्रदर्शन, पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, एट होम एवं स्काउट गाइड रैली सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों के बारे में जाना। साथ ही सुरक्षा, बैठक, पेयजल, प्रवेश-निकासी, आमंत्रण पत्र, माइक सहित अन्य व्यवस्थाएं समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य समारोह में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान देशभक्ति गीतों के प्रसारण, सार्वजनिक स्थानों पर लाइटिंग, साफ-सफाई, निर्बाध विद्‌त आपूर्ति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व का सफलतापूर्वक आयोजन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है इसमें समन्वय और सहयोग से काम करें। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न राजकीय विभागों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले कार्मिकों सहित अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्मिकों के प्रस्ताव निर्धारित फॉर्मेट में प्राप्त हों। इस दौरान नगर निगम के उपायुक्त यशपाल आहूजा, एमएस कॉलेज प्राचार्य डॉ. नवदीप सिंह बैंस, जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, शिक्षा विभाग के रामकुमार पुरोहित सहित पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार सहायता शिविर 31 जुलाई 2025 को

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला रोजगार अधिकारी राकेश वर्मा ने बताया कि राजस्थान कौशल रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की ओर से 31 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक महावीर गार्डन, जोनल हॉस्पिटल कोटा रोड बारां के सामने रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए आमंत्रित निजी क्षेत्र की कंपनियों से अधिक अधिसूचित पदों पर 18 से 35 आयु वर्ग के 10वीं से ग्रेजुएट, आईटीआई एवं डिप्लोमा धारक महिला एवं पुरुष आवेदकों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने निजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर रहे आशार्थियों से अपील की है कि योग्य आशार्थी नियत तिथि 31 जुलाई गुरुवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक दो प्रतियों में अपने बायोडाटा के साथ पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड एवं शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेजों की छायाप्रति सहित रोजगार सहायता शिविर में पहुंचकर उक्त पदों की भर्ती में सम्मिलित होवें। आशार्थी गण इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रोजगार प्राप्त करने का प्रयास करें।

वॉर 2 के ट्रेलर रिलीज से पहले दीवाने हुए एनटीआर के फैंस

मुंबई। मेकर्स 25 जुलाई को वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज करने जा रहे हैं। ऐसे में ट्रेलर को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। फिल्म के ट्रेलर से पहले अब जूनियर एनटीआर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं और उन्होंने एनटीआर के बॉलीवुड में डेब्यू को लेकर सेलिब्रेशन भी शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीर काफी वायरल हो रही है। जिसे एनटीआर के फैंस काफी शेयर कर रहे हैं। इसमें जूनियर एनटीआर का नाम आसमान में लिखा हुआ है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है आसमान में 'एनटीआर वॉर 2' लिखा हुआ है।

लाइफ Style

रश्मिका

रणबीर के साथ सेल्फी के पीछे की बताई कहानी

एजेंसी ⏭ मुंबई

रश्मिका मंदाना ने 2022 में बॉलीवुड में फिल्म गुडबाय से डेब्यू किया। 2023 में रश्मिका निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आईं। इस फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली, लेकिन रश्मिका और रणबीर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

रश्मिका ने बताया कि फिल्म एनिमल' के आखिरी दिन उन्होंने रणबीर कपूर से कहा, हमें एक तस्वीर लेनी चाहिए, क्योंकि वह आमतौर पर सेट पर फोटो नहीं खींचतीं। उन्होंने आगे कहा, रणबीर बहुत दयालु और सहयोगी हैं। वह मेरे लिए एक अच्छे दोस्त हैं। उस सेल्फी में रश्मिका ने नीला कुर्ता पहना था, जबकि रणबीर लंबे बाल और दाढ़ी वाले लुक में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म एनिमल के दूसरे भाग एनिमल पार्क में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। यह फिल्म पहले भाग से कहीं और ज्यादा दमदार होगी। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रश्मिका मंदाना फिल्म द गर्लफ्रेंड में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के अलावा रश्मिका फिल्म थामा में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। वहीं, रणबीर कपूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म के अलावा रणबीर फिल्म रामायण में नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

गानों में हैं उतार-चढ़ाव

का दर्द

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी सिंगर जेनिफर लोपेज चर्चा में हैं। उन्होंने इटली में 'लुक्का समर फेस्टिवल' में शिरकत की। इस दौरान ना सिर्फ अपने गाने से दर्शकों का ध्यान खींचा, बल्कि हजारों फैंस के भीड़ के सामने खुलकर अपने 'बेडरूम सीक्रेट्स' शेयर किए। उनकी बातें सुनकर किसी ने तालियां बजाई तो कोई हैरान रह गया। कुछ लोग इसे उनके एक्स हसबैंड बेन एफ्लेक से भी जोड़कर देख रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि जेनिफर ने एक नए एल्बम के लिए कई गाने हैं। इनमें से ज्यादातर गाने बेन एफ्लेक के साथ उनके उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते से लिए गए हैं।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी बयान

मुंबई। हुमा कुरैशी की फिल्म बयान अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। अब हुमा की फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। बयान को डिस्कवरी सेक्शन में चुना गया है। इस कैटेगरी में चुनी गई हुमा की बयान इकलौती भारतीय फिल्म है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बयान का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर के महीने में होगा। हुमा कुरैशी स्टारर बयान एक पुलिस थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन विकास रंजन मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले चौरंगा लिए जाने जाते हैं। हुमा इस फिल्म में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। हुमा कके अलावा फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, परितोष, अविजीत दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पेरी छाबड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

रामायण में असमिया अभिनेत्री की एंट्री

मुंबई। नितेश तिवारी निर्देशित और रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण अगले साल बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। यह फिल्म दो भागों में बन रही है। इस फिल्म का बजट 4000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इस फिल्म में एक असमिया एक्ट्रेस भी अहम किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म रामायण का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आए और साउथ एक्टर यश रावण के किरदार में दिखे। फिल्म में सीता माता की भूमिका में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी है। असमिया एक्ट्रेस सुरभि दास फिल्म रामायण में उर्मिला की भूमिका में दिखेंगी। उर्मिला माता सीता की बहन हैं। उर्मिला, प्रभु राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी भी हैं। फिल्म में उर्मिला का त्याग भी दिखाया जाएगा। लक्ष्मण का रोल फिल्म रामायण में टीवी एक्टर रवि दुबे कर रहे हैं।

अफेयर कांड को भुला नहीं पाए हैं क्रिस मार्टिन

लॉस एंजिल्स। कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में जो 'अफेयर कांड' हुआ, उसे क्रिस मार्टिन भी भुला नहीं पाए हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिका में हुए कॉन्सर्ट में इसको लेकर चुटकी ली। अपनी ऑडियंस को चेतावनी भी दी कि अब 'किस कैम' किसी को बड़ी स्क्रीन पर लाने वाला है, इसलिए तैयार हो जाएं। कोल्डप्ले के बोस्टन कॉन्सर्ट के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जो इस समय चारों तरफ वायरल है। हम बात कर रहे हैं एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन और कंपनी की एचआर प्रमुख क्रिस्टिन कैबोट की। जो एक-दूसरे की बांहों में खोए हुए थे और कॉन्सर्ट के दौरान अचानक कैमरे ने उनपर फोकस कर दिया और सिंगर क्रिस मार्टिन ने 'गलती' से उन्हें एक्सपोज कर दिया। अब क्रिस को अमेरिका के मैडिसन में कॉन्सर्ट में दर्शकों को कुख्यात 'किस कैम' के बारे में आगाह करते हुए देखा गया, वो भी मजेदार तरीके से।

टीवी मसाला

नए सीजन में नजर नहीं आएंगे 'क्योंकि सास भी...' के ये एक्टर्स

नई दिल्ली। 25 साल पहले सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' टीवी पर टेलीकास्ट हुआ, लगभग 8 साल तक यह सीरियल टीवी पर दर्शकों का मनोरंजन करता रहा। इस सीरियल से एक्ट्रेस स्मृति ईरानी तुलसी के रूप में घर-घर मशहूर हुईं। कई और एक्टर्स भी इस सीरियल से स्टार बने। 29 जुलाई को यह सीरियल अपने नए सीजन के साथ वापसी कर रहा है। इस बार भी स्मृति ईरानी तुलसी का आइकॉनिक रोल करेंगी मगर कुछ जाने-माने एक्टर्स इस सीरियल में नजर नहीं आएंगे। सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'के नए सीजन में सुधा शिवपुरी नजर नहीं आएंगी। पहले सीजन में उन्होंने बा का किरदार निभाया था। बा सीरियल में विरानी परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला थीं, वह तुलसी के किरदार का हमेशा साथ देती थीं। पहले सीजन में ही उनकी मौत को दिखाया गया था। असल में भी सुधा शिवपुरी का निधन साल 2015 में हुआ। सीरियल में तुलसी विरानी की सास सविता का रोल अपरा मेहता ने निभाया था। वह भी नए सीजन का हिस्सा नहीं होंगी, क्योंकि पुराने वर्जन में उनकी भी मौत को दिखाया गया। तुलसी विरानी के बड़े बेटे गौतम का रोल सुमित सचदेव ने किया था। यह किरदार 25 साल पहले लड़कियों के बीच काफी पॉपुलर हो गया था। अचानक सीरियल में यह किरदार कम नजर आने लगा।

बिग बॉस में इस बार घर वाले ही लेंगे फैसले

नई दिल्ली। फेमस रियलिटी शो 'बिग बॉस' का 19वां सीजन जल्द शुरू होगा। सलमान खान फिर से होस्टिंग करेंगे। उम्मीद है कि शो का प्रीमियर अगले महीने होगा। इस बार कंटेस्टेंट चुनने में दर्शकों की भूमिका होगी।

'बिग बॉस 19' का घर 20 अगस्त तक बनकर तैयार हो जाएगा। इस शो को एक बार फिर सलमान खान होस्ट करेंगे। अब तक सीजन 19 के कंटेस्टेंट बनने के लिए 45 हस्तियों से संपर्क किया गया है। जैसा कि पहले भी बताया था, 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर 30 अगस्त को होगा और यह शो पांच महीने तक चलेगा। सलमान खान 27 और 28 अगस्त को शो के प्रीमियर के लिए शूटिंग करेंगे और 29 अगस्त को कंटेस्टेंट्स को रिकॉर्ड किया जाएगा, जिसके बाद वे घर में एंट्री करेंगे। बिग बॉस 19 की थीम रिवाइंड है, जहां घरवाले बेघर होने में अहम भूमिका निभाएंगे और दर्शक चुनेंगे कि किसे नॉमिनेट करना है। सूत्र के मुताबिक, घर के कामकाज में कंटेस्टेंट्स को पूरी आजादी होगी, राशन तय करने से लेकर कौन से काम करने हैं और कौन से नहीं, सभी फैसले घर वाले ही लेंगे और फिर बिग बॉस को बताया जाएगा।

आमिर मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में फहराएंगे तिरंगा ...

मुंबई। अगस्त में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) का आयोजन होने वाला है। सुपरस्टार आमिर खान इसमें बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस फेस्टिवल में वह भारतीय तिरंगा फहराएंगे। इस फेस्टिवल में आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' की स्पेशल स्क्रीनिंग निर्धारित है। महोत्सव में सिनेमा में आमिर खान के योगदान को एक स्पेशल सेक्शन के जरिए सम्मानित किया जाएगा। इस फेस्टिवल के डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने बताया 'फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रीय ध्वज फहराना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और एकजुट करने वाला अनुभव है। विदेशी धरती पर तिरंगा लहराते देखना भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के बीच फख्र का लम्हा होगा। आमिर खान के सिनेमाई नजरिए ने विश्व स्तर पर दर्शकों को प्रभावित किया है। वह इस पल का नेतृत्व करेंगे, जो हमारे लिए सम्मान की बात है।'

बदनाम बस्ती की स्क्रीनिंग होगी : आपको बता दें विक्टोरिया सरकार द्वारा समर्थित आइएफएफएम, भारत के बाहर आयोजित होने वाला सबसे बड़ा भारतीय फिल्म महोत्सव है। यह सशक्त और विविध भारतीय कहानियों को प्रदर्शित करता है। इस महोत्सव में फिल्म निर्माता प्रेम कपूर की 1971 की फिल्म 'बदनाम बस्ती' दिखाई जाएगी। इस फिल्म को भारत की पहली समलैंगिक फिल्म बताया गया है।

पूरे महोत्सव में 75 फिल्में दिखाई जाएंगी

इस साल आइएफएफएम में लगभग 75 फिल्में प्रदर्शित होंगी। यह फिल्में लिंग, नस्ल, कामुकता, विकलांगता और महिला प्रतिनिधित्व जैसे विषयों पर होगी। फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 14 से 24 अगस्त तक चलेगा।

सैयारा के क्लाईमैक्स को देख क्यों मर-मिट रहे दर्शक

नई दिल्ली। सैयारा का खुमार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म को देख थिएटर में नौजवान आंसू बहा रहे हैं। कई तो बेहोश भी हो गए और कइयों ने मजनू वाली हरकते कीं। सैयारा के साथ-साथ नौजवान ऑडियंस भी प्यार में पागल होती दिख रही है। फिल्म के इमोशनल प्लॉट ने दर्शकों को अंदर से तोड़ दिया है, जिसका नजारा थिएटर में देखने को मिल रहा है। क्या सैयारा का क्लाईमैक्स बहुत ही ज्यादा इमोशनल करने वाला है? क्या फिल्म का अंत देख नौजवानों के दिलों को चोट पहुंच रही है? आखिर सैयारा के क्लाईमैक्स में ऐसा क्या है, जो दर्शकों को पागल कर रुला रहा है। यहां हम आपको यहां सैयारा के क्लाईमैक्स के उन 5 कारणों को बताने जा रहे हैं, जो दर्शकों को रुला रहे हैं।

इमोशनल स्टोरी : सैयारा रोमांटिक होने के साथ-साथ भावनात्मक कहानी भी है, जिसमें प्यार, दर्द और दिल टूटने की कहानी दिखाई जा रही है। फिल्म में नए चेहरे हैं, जिनके चेहरे पर प्यार को लेकर तड़प, बिछड़न और फिर दुख-दर्द नजर आता है और क्लाइमैक्स यही इमोशनल प्लॉट दर्शकों की मरने जैसी हालत कर रहा है।

रिलेशनशिप : क्लाईमैक्स उन लोगों को सबसे ज्यादा रुलाता है, जिनका प्यार मुकम्मल नहीं हो पाया या फिर कहें कि जिन्हें प्यार नहीं मिला है। रिलेशनशिप में होने के बाद भी जब प्यार कामयाब नहीं हो पाता है और बिछड़ने का डर मन में बैठ जाता है, तो वहां इंसान भावनात्मक रूप से टूट जाता है।

अहान-अनीत की केमिस्ट्री : प्यार में पड़े नौजवान कपल अहान और अनीत में खुद को इमेजिन कर रहे हैं और प्यार के बीच आने वाली हर उस मुश्किल और दर्द को अपना समझ रहे हैं, जिन्हें वो करीब से फेस कर चुके हैं। और तो और स्टार की लव केमिस्ट्री भी आंखें नम कर रही है।

म्यूजिक : क्लाइमैक्स में संगीत का ऐसा मिश्रण सुनने को मिला है, जो दिल टूटे आशिकों की आंखों में पानी ला देता है और गला रूंध जाता है।

हैपिंग एंडिंग : आशिकी 2 में मोहित सूरी ने एक्टर को मारकर बहुत बड़ी गलती की थी। आशिकी 2 का सबसे कमजोर पक्ष यही था, लेकिन उन्होंने यह गलती सैयारा में नहीं दोहराई। कृष और वाणी का मिलन और फिर उनकी शादी ने दर्शकों में पॉजिटिव मैसेज भेजा और फिल्म की हैप्पी एंडिंग ने भी उन्हें रोने पर मजबूर कर दिया।

हिंदी सिनेमा में सर्वाधिक गीत लिखने का रिकॉर्ड दर्ज हैं समीर के नाम

संगीत के लिए किसी के पास दिल नहीं, तो फिर वह पत्थर है

नई दिल्ली। संगीतकार ऐसी चीज है जिससे हर कोई जुड़ना चाहता है। हर किसी के दिल मे संगीत होता है। अगर किसी के पास संगीत के लिए दिल नहीं है तो फिर वह दिल नहीं पत्थर है। यह कहना है भारत के दिग्गज गीतकार समीर अनजान का। फिल्मी दुनिया में समीर अनजान, एक ऐसा नाम है जो किसी के लिए अनजान नहीं है। हिंदुस्तान में रहने वाले लोग उनके गीतों को सुनकर और गुनगुनाकर मोहब्बत का इजहार करते हैं। एक ऐसा गीतकार, जिसे यह कला विरासत में मिली, लेकिन उन्होंने अपने पिता की खींची गई लकीर से भी लंबी लाइन खींच दी। उनके नाम हिंदी सिनेमा में सर्वाधिक गीत लिखने का रिकॉर्ड दर्ज है। समीर अनजान ने एक बातचीत में बॉलीवुड के नेपोटिज्म, राजनीति और म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने सफर की अनसुनी कहानियां सुनाईं।

पिता नहीं चाहते थे मैं गीतकार बनूं

आखिर पिता ने ही सिखाईं बारीकियां : अनजान बताते हैं कि जब मैं मुंबई से अपने घर आया तो मां ने मेरी हालत देखकर पिताजी को मुंबई में खत लिखा कि बेटा मुंबई में बहुत संघर्ष कर रहा है। पिताजी को इसकी जानकारी नहीं थी। खोज खबर ली और कुछ रिश्तेदार मुझे उनके पास ले गए। उन्होंने मुझसे कई सवाल पूछे। वह समझ गए थे कि मैं मुंबई छोड़कर जाने वाला नहीं हूं। इसके बाद मुझे उन्होंने अपने पास रहने के लिए बुला लिया। उन्होंने संगीत लाइन की कई बारीकियों को सिखाया और समझाया। फिर कुछ दिन बाद एक ऐसा मोड़ आया कि पिताजी खुद बोले कि अब तुम तैयार हो जाओ, आकाश तुम्हारा है।

बनारस छोड़कर मुंबई पहुंचने के सवाल पर उन्होंने बताया कि पिताजी लाला जी पांडेय ने 17 साल के लंबे संघर्ष के बाद सफलता हासिल की थी। उन्होंने मुझे बोला था सबकुछ करना, लेकिन गीतकार बनने की कोशिश मत करना। पढ़ाई के बाद मेरी सरकारी बैंक में जॉब भी लग गई। इस बीच मेरा शौक परवान चढ़ रहा था। मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि मैं बैंक में क्या कर रहा हूं? फिर मैंने जॉब छोड़ दी। इसके बाद सीधे मुंबई के लिए निकल गया।

लोगों को मेरा असली नाम पसंद नहीं आया तो अनजान बन गया

उत्तर प्रदेश के बनारस के शीतला पांडेय कैसे समीर अनजान बने इस पर वह कहते हैं कि मेरी पहली कविता बनारस के एक प्रमुख अखबार जयदेश में प्रकाशित हुई। उस वक्त में इस अखबार को उसके ऑफिस की दीवार पर लगाया जाता था। पहली बार जब कविता लगी तो लोगों ने कहा कि शीतला पांडेय तो किसी क्लर्क या किसी शिक्षक का नाम लगता है। इसके बाद में दो-तीन कविता घर के नाम राजन से लिखीं, उस पर भी कोई रिएक्शन नहीं आया। उस वक्त मैं समीर का एक नॉवेल पढ़ रहा था। मैंने विचार किया और अगली कविता इसी नाम से लिखकर दे दी। इस पर लोगों का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला। इसी से मुझे पहचान भी मिली।

5 हजार गीत लिख चुके

1983 से फिल्मों के गीत लिख रहे अनजान बताते हैं कि सबसे ज्यादा गीत लिखने का अवॉर्ड उनके नाम है। करीब 5 हजार गीत लिख चुका हूं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज है। मोहम्मद रफी साहब को छोड़कर करीब-करीब सभी प्रमुख गायक-गायिकाएं मेरे लिखे गाने गा चुके हैं। मैं आज फिल्मी दुनिया की चौथी पीढ़ी के साथ काम कर रहा हूं। हर पीढ़ी के हिसाब से मैं खुद को बदलते आया हूं। मैंने खुद को हर समय अपडेट किया। साजन, राजा हिंदुस्तानी, कुछ कुछ होता है, जैसी कई अहम फिल्मों के गीत मेरे लिए खास हैं।

भारत-पाक मैच पर भी आया अपडेट

सितंबर में खेला जाएगा 2025 एशिया कप, वेन्यू का हो गया खुलासा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर आखिरकार अच्छी खबर सामने आई है. अब तक संशय की स्थिति बनी हुई थी कि इस साल एशिया कप का आयोजन होगा भी या नहीं. अब मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार एशिया कप 2025 की मेजबानी दुबई, अबू धाबी करने वाला है. यह टूर्नामेंट 5 सितंबर-21 सितंबर तक खेला जाएगा. एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने पर भी कुछ स्पष्ट नहीं था, लेकिन ताजा अपडेट अनुसार इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान समेत कुल 8 टीम भाग लेने वाली हैं.

अभी तक बीसीसीबाई, एसीसी और आईसीसी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी नहीं किया है, लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया अनुसार भारतीय टीम भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली है. टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के नाम भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान, यूएई और हॉन्ग कॉन्ग होंगे.

एशिया कप का आयोजन आखिरी बार 2023 में ओडीआई फॉर्मेट में खेला गया था, जिसके फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा था. अभी तक यह साफ नहीं है कि एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच होगा या नहीं, क्योंकि अभी तक पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है. बता दें कि फिलहाल इंग्लैंड में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में भी भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने वाला था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से इनकार कर दिया था.

ऐसे में आयोजकों को इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस मैच को रद्द करना पड़ा था. पिछले संस्करण से उलट एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. यह पहली बार होगा जब किसी एशिया कप टूर्नामेंट में कुल 8 टीम भाग ले रही होंगी. इस बार एशिया कप में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ी नहीं खेलेंगे, क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

वैभव को पछाड़ आयुष म्हात्रे ने रचा इतिहास, इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन ठोक कर बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड के खिलाफ यूथ टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 206 रन जड़ डाले और एक नहीं बल्कि कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने न केवल छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा, बल्कि भारतीय अंडर-19 टेस्ट इतिहास में बतौर कप्तान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

वैभव से 2 छक्के ज्यादा लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

जहां वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों के लिए पहचाने जाते हैं, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर और कप्तान आयुष म्हात्रे अब उनसे 2 छक्के ज्यादा लगाकर आगे निकल चुके हैं. इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दो यूथ टेस्ट मैचों की सीरीज में आयुष ने कुल 9 गगनचुंबी छक्के लगाए, जबकि वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 छक्के लगाए थे.

सौरभ तिवारी का रिकॉर्ड भी टूटा

इससे पहले 2007-08 में सौरभ तिवारी ने यूथ टेस्ट सीरीज में 8 छक्के लगाए थे. इस बार आयुष ने उस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया और एक सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय अंडर-19 खिलाड़ी बन गए हैं. इनमें से 6 छक्के उन्होंने एक ही पारी में लगाए, जो अपने आप में एक दमदार प्रदर्शन रहा.

कप्तान ने ठोके 206 रन

दूसरे यूथ टेस्ट में आयुष ने पहली पारी में 80 रन, और दूसरी पारी में 126 रन की शानदार पारी खेली. कुल मिलाकर उन्होंने मैच में 206 रन बनाए और बतौर कप्तान अंडर-19 टेस्ट में 200+ रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड तन्मय श्रीवास्तव ने हासिल किया था, जिन्होंने 2006 में एक यूथ टेस्ट में 199 रनों की शानदार पारी खेली थी. रेड बॉल में वैभव से भी आगे निकले आयुष वैभव सूर्यवंशी की ताकत जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट में मानी जाती है, वहीं आयुष म्हात्रे ने साबित कर दिया कि रेड बॉल क्रिकेट के राजा वो हैं. इंग्लैंड के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी न सिर्फ दमदार रही, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत भी दे गई.

भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की हुई सफल सर्जरी, LSG फ्रेंचाइजी ने उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की सफल सर्जरी हुई, जिसकी जानकारी लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी. वह इंडियन प्रीमियर लीग में इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, जिसके कप्तान ऋषभ पंत हैं. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश की सर्जरी और रिहैब का पूरा खर्चा लखनऊ फ्रेंचाइजी ही उठाएगी. तेज गेंदबाज आवेश खान को आईपीएल 2025 से पहले भी घुटने में चोट लगी थी, हालांकि वह इससे रिकवर हो गए थे और बीसीसीआई ने उन्हें टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी थी. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में चोट से जूझ रहे थे.

आवेश खान की घुटने की सर्जरी हुई

रिपोर्ट के अनुसार आवेश खान और मोहसिन खान की घुटने की सर्जरी मुंबई के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला द्वारा की गई. आवेश के दाएं पैर के घुटने की सर्जरी 17 जून को हुई. इसी रिपोर्ट में बताया गया कि आवेश खान, मोहसिन खान और मयंक यादव रणजी ट्रॉफी के पहले हाफ से बाहर हो सकते हैं, इन तीनों के टूर्नामेंट के सेकंड हाफ में खेलने की उम्मीद है. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश खान की सर्जरी का पूरा खर्चा लखनऊ सुपर जायंट्स ने उठाया. रिहैब का खर्चा भी टीम ही कर रही है. उम्मीद है कि वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

दिव्या एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में चल रहे एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। दिव्या इस टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह जीत उनकी लगातार तीसरी ऐसी जीत है, जिसमें उन्होंने एक ग्रैंडमास्टर को मात दी।

इस जीत के साथ ही दिव्या ने अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया और 2026 एफआईडीई महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। वहीं, कोनेरू हम्पी का फैसला आज टाई-ब्रेकर मैच (रैपिड/ब्लिट्ज) से होगा। चीनी खिलाड़ी टिंगजी लेई के खिलाफ दोनों गेम ड्रॉ रहा।

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन तान झोंग्यी को सेमीफाइनल मुकाबले में 1.5-0.5 के अंतर से हराया। 19 साल की दिव्या ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 101 चाल में मात दी। दूसरे गेम में उन्हें सफेद मोहरों से खेलने का फायदा मिला। उन्होंने बीच के खेल में लगातार दबाव बनाया और तान झोंग्यी को गलतियां करने पर मजबूर कर दिया।

व्हाइट (दिव्या) क्लीन की अदला-बदली के साथ जीत की स्थिति में थी, लेकिन क्लीन को बोर्ड पर रखने से भी उनकी स्थिति बहुत मजबूत थी।इसके बाद झोंग्यी ने वापसी की और बढ़त ले ली। समय की कमी में झोंग्यी ने गलत चाल चली, जिसके बाद दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ आगे हो गईं। आखिरी गेम में झोंग्यी के पास ड्रॉ के कई मौके थे, लेकिन वह इन्हें भुना नहीं सकीं।

पहला गेम रहा था ड्रॉ

पहले गेम में दिव्या ने काले मोहरों से खेला था। यह गेम ड्रॉ रहा था। दिव्या ने पहले गेम के शुरुआत में ही खेल को संतुलित करने की रणनीति अपनाई। झोंगयी ने 'क्लीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड' ओपनिंग से खेल की शुरुआत की, जिसमें दिव्या ने लगातार मोहरे बदलते हुए संतुलन बनाए रखा। झोंगयी भी इस स्थिति से संतुष्ट दिखीं, जहां ब्लैक को थोड़ी सक्रियता मिली थी।

डीसी ओपन टेनिस:

फ्रिट्ज ने डीसी ओपन के तीसरे दौर में बनाई जगह, वीनस विलियम्स युगल में बाहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज़ अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज़ ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज़ अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7-5, 7-6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6-4, 3-6, 10-6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

China Open Badminton: चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय को मिली हार

चांग्झू, एजेंसी। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट

तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे।

एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप

वेन्नाला कलागोटला और तन्वी शर्मा ने भारत को दिलाई शानदार शुरुआत

सोलो (इंडोनेशिया), एजेंसी। बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार शुरुआत की है। महिला एकल वर्ग में वेन्नला कालागोटला और तन्वी शर्मा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारतीय अभियान को मजबूत बढ़त दिलाई। वेन्नला कालागोटला ने अलिसा कूलेशोवा को सिर्फ 15 मिनट में 21-6, 21-10 से शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया की औबर्टा जर्लिना को 21-18, 21-16 से हराकर गुरुवार को होने वाले राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने यूएई की वैदेही कालिदासन को आसानी से 21-6, 21-6 से हराया, जबकि तन्वी रेड्डी ने चिओक इयान उंग को 21-9, 21-10 से पराजित किया।

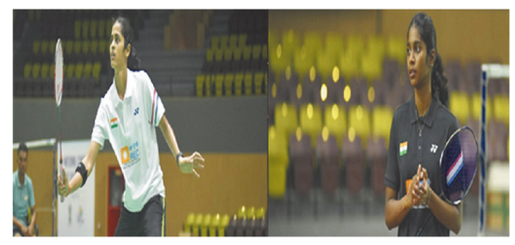

सिर्फ एक गोल से इतिहास रच गई ये खिलाड़ी

इंग्लैंड और स्पेन में महिला यूरो कप 2025 की फाइनल जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला यूरो कप 2025 के ब्लॉकबस्टर मैच का इंतजार अब खत्म हो गया है। खिताबी भिड़ंत के लिए दो टीमें तय हो चुकी है। यूरो कप फाइनल मुकाबला रविवार, 27 जुलाई को स्विट्जरलैंड के बासेल में होगा। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। ऐसे में अब इन दोनों की टक्कर खिताबी भिड़ंत के लिए होगी। सेमीफाइनल में स्पेन की टीम ने रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की। जर्मनी के खिलाफ टीम ने एक मात्र गोल अतिरिक्त समय में किया।

स्पेन के लिए यह गोल ऐताना बोनमाटी ने किया जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में भर्ती थी। वहीं इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में इटली को 2-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। बता दें कि लायनेसेस के नाम से मशहूर इंग्लैंड की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी शानदार डिफेंस और खतरनाक आक्रमण से विरोधियों की हालत खराब करके रखी है।

कप्तान लिया विलियमसन के नेतृत्व में अब टीम की कोशिश होगी कि वह लगातार दूसरे खिताब को अपने नाम करें। इंग्लैंड के लिए पूरे टूर्नामेंट में फॉरवर्ड बेथ मीड और एला टूने ने जीत के लिए अपना दम लगाया है। इसके अलावा गोलकीपर मैरी अर्प्स की चपलता से इंग्लैंड ने महत्वपूर्ण बचाव किए।

पहली बार यूरो कप के फाइनल में पहुंची है स्पेन

दूसरी ओर स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। स्पेन को ये जीत अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मिली है। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था।

स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरने से मचा कोहराम: 7 बच्चों की मौत

-28 मासूम घायल, लापरवाही पर उठे सवाल

अकलेरा, (झालावाड़)। राजस्थान के झालावाड़ जिले में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जब एक सरकारी माध्यमिक स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 7 बच्चों की मौत हो चुकी है और 28 मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त बच्चे क्लास में पढ़ाई कर रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और प्रशासन ने तुरंत मलबा हटाने का काम शुरू किया और घायल बच्चों को झालावाड़ जिला अस्पताल और कोटा रेफर किया गया। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने अब तक7 बच्चों की मौत हुई है, 9 अब भी गंभीर घायल हैं। जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलदा सरकारी स्कूल में शुक्रवार सुबह एक क्लासरूम ढह गया। इसमें पढ़ाई कर रहे 35 बच्चे दब गए थे। गंभीर घायलों को झालावाड़ जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। हादसे को लेकर दो टीचर्स पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। स्कूल में मौजूद एक स्टूडेंट ने बताया कि छत गिरने से पहले कंकड़ गिर रहे थे। इसकी जानकारी टीचर का भी दी थी, लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। टीचर्स और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है।

कलेक्टर और स्कूली छात्रा के बयान से 2 बड़ी लापरवाही सामने आईं:

1. कलेक्टर के मुताबिक स्कूल शिक्षा विभाग को पहले ही निर्देश दिए गए थे कि जो भी जर्जर भवन हो वहां स्कूलों की छुट्टी कर दी जाए, लेकिन खुद कलेक्टर कह रहे हैं कि ना तो यह स्कूल जर्जर भवन की सूची में था और ना ही यहां बच्चों की छुट्टी की गई। 2. स्कूल में पढ़ने वाली बच्ची वर्ष राज क्रांति ने बताया की छत गिरने से पहले कंकड़ गिर रहे थे, बच्चों ने बाहर खड़े टीचर्स को इसकी जानकारी दी, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान ही नहीं दिया और थोड़ी देर बाद ही छत गिर गई।

बारिश के बीच ढहा कमरा, टीचर सुरक्षित

गांववालों ने बताया कि इस स्कूल में कुल 7 क्लासरूम हैं। हादसे के दौरान स्कूल के दो क्लासरूम में 71 बच्चे थे। जिस क्लासरूम में हादसा हुआ, उसमें 7वीं क्लास के बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। स्कूल में दो टीचर भी मौजूद थे, लेकिन दोनों हादसे के दौरान बिल्डिंग से बाहर थे। पांच मृतकों की पहचान हो चुकी है।

कैसे हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, झालावाड़ जिले की पिड़ावा तहसील के एक गांव में स्थित सरकारी स्कूल की इमारत में मंगलवार सुबह 11 बजे के आसपास अचानक दरारें आनी शुरू हुईं। एक छात्रा ने बताया कि क्लास के अंदर बैठकर हम पढ़ाई कर रहे थे, तभी छत से छोटे-छोटे कंकड़ गिरने लगे। हमने टीचर को बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि कुछ नहीं होगा, पढ़ाई जारी रखो। इसके कुछ ही मिनट बाद अचानक जोर की आवाज आई और बिल्डिंग का एक हिस्सा गिर गया। बच्चे मलबे में दब गए और कुछ बच्चे क्लास से बाहर भागने में सफल हो गए।

राहत और बचाव कार्य

घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोग, स्कूल स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों ने मलबा हटाने में मदद की और बच्चों को बाहर निकाला। जिला कलेक्टर और एसपी घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज किया गया। एंबुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को कोटा रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दर्द में डूबा गांव

हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को सुबह स्कूल भेजा था, उन्होंने सोचा भी नहीं था कि उनके बच्चे इस हाल में लौटेंगे। कुछ माता-पिता बदहवास होकर अपने बच्चों को तलाशते नजर आए। अस्पताल में घायल बच्चों के परिजनों की आंखों में आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। हादसे में जिन बच्चों की मौत हुई, उनके परिवारों की हालत बेहद खराब है।

संसद गेट पर राहुल-प्रियंका का SIR के खिलाफ विरोध: पोस्टर फाड़े, डस्टबिन में डाले

-28 जुलाई से सदन चलाने पर सहमति

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने संसद गेट पर 'SIR' (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) लिखे पोस्टरों को फाड़कर डस्टबिन में डाल दिया। इसके बाद इस मुद्दे पर संसद परिसर में हंगामा खड़ा हो गया और सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि इसी बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें 28 जुलाई से संसद को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी है। विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर मकर द्वार (नए संसद भवन का एंट्री गेट) तक पैदल मार्च निकाला। इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। मकर द्वार पहुंचने पर राहुल-प्रियंका सहित विपक्ष के सांसदों ने स्पेशल इंन्टेंसिव रिवीजन (SIR) लिखे पोस्टर फाड़े। उन्हें प्रतीकात्मक डस्टबिन में डाला। साथ ही मोदी सरकार हाय-हाय के नारे लगाए। लोकसभा में भी विपक्ष ने नारेबाजी की। सदन में करीब 20 मिनट ही कार्यवाही चल पाई। स्पीकर ओम बिरला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। 28 जुलाई से सदन सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बन गई है। इसी दिन ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा होगी। राज्यसभा के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, वे (केंद्र) गरीबों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं और केवल एलीट क्लास को वोट देने देना चाहते हैं... वे (केंद्र सरकार) संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। SIR के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

क्या है SIR विवाद?

बिहार में चुनाव से पहले सरकार द्वारा 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (SIR) के नाम पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव किए जाने का विपक्ष ने आरोप लगाया है। कांग्रेस और I.N.D.I.A ब्लॉक दलों का कहना है कि SIR के जरिए फर्जी वोटर जोड़े जा रहे हैं और विपक्ष के समर्थकों के नाम काटे जा रहे हैं। इस मुद्दे पर बिहार समेत देश के कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं और विपक्ष ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया है।

राहुल-प्रियंका का प्रदर्शन

गुरुवार सुबह संसद के गेट नंबर 1 के बाहर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के सांसद और I.N.D.I.A ब्लॉक के अन्य नेता एकत्र हुए। उनके हाथों में SIR के खिलाफ विरोध में पोस्टर थे, जिन पर 'SIR हटाओ, लोकतंत्र बचाओ', 'फर्जी वोटर हटाओ' जैसे नारे लिखे थे। कुछ देर बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने पोस्टर फाड़ दिए और वहीं डस्टबिन में डाल दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि, "हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। सरकार फर्जी वोट जोड़कर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है।"

पुलिस बल तैनात, सुरक्षा बढ़ाई गई

संसद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस के जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। हालांकि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की झड़प की सूचना नहीं मिली। राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा, "SIR के नाम पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। हम जनता की आवाज संसद में उठाएंगे। सरकार जनता के वोट का अपमान कर रही है।"

स्पीकर ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

संसद में चल रहे गतिरोध और विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई। बैठक में कांग्रेस, तृणमूल, डीएमके, एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, बीएसपी, और अन्य दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे। बैठक में फैसला लिया गया कि 28 जुलाई से सदन की कार्यवाही नियमित रूप से चलेगी और सभी दल अपने मुद्दों को नियमों के तहत रख सकेंगे।

सरकार ने विपक्ष के आरोपों को नकारा

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि SIR पूरी तरह निर्वाचन आयोग का विषय है और इस पर राजनीति करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को सदन में व्यवधान पैदा करने के बजाय चर्चा में शामिल होना चाहिए।

मोदी ने तोड़ा इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड: लगातार 4078 दिन प्रधानमंत्री रहे

-नेहरू से अब भी 2048 दिन पीछे

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे PM बन गए हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ा है। PM मोदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री पद पर 4078 दिन पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2025 को देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्रियों में इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। मोदी ने प्रधानमंत्री पद पर लगातार 4078वां दिन पूरा कर लिया है, जबकि इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में कुल 4078 दिन लगातार प्रधानमंत्री पद पर रहकर देश का नेतृत्व किया था। इस तरह मोदी अब इंदिरा गांधी से आगे निकल चुके हैं, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ने में अभी उन्हें 2048 दिन और काम करना होगा। सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वो 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। PM मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 2048 दिन पीछे हैं। हालांकि, PM मोदी पहले ही तीन लगातार लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024) जीतने के मामले में नेहरू की बराबरी कर चुके हैं। अगर वो 2029 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार PM बनने का रिकॉर्ड भी टूट सकता है।

PM मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित नेता

मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद 26 मई 2014 से प्रधानमंत्री बने। इस तरह वो एक चुने हुए सरकार के मुखिया का कार्यभार राज्य-केंद्र (24 साल से ज्यादा) में संभालने वाले पहले भारतीय नेता बने हैं। मोदी स्वतंत्रता के बाद जन्मे पहले प्रधानमंत्री हैं। साथ ही पहले गैर-कांग्रेस प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने 2 कार्यकाल पूरे किए और सबसे लंबे समय तक पद पर रहे।

लगातार 6 चुनावों में पार्टी को जीत दिलाई

न्यूज एजेंसी ने सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया कि मोदी भारत के इकलौते नेता हैं जिन्होंने लगातार छह चुनावों में पार्टी का नेतृत्व कर जीत हासिल की है। गुजरात विधानसभा चुनाव 2002, 2007 और 2012 में, और लोकसभा चुनावों 2014, 2019 और 2024 में।

कैसे तोड़ा इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड?

नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद 2019 में भारी बहुमत के साथ वे फिर से प्रधानमंत्री बने और अब 2024 में तीसरी बार सत्ता में लौटकर अपने कार्यकाल को जारी रखा। इंदिरा गांधी ने 14 जनवरी 1980 को अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की थी और 31 अक्टूबर 1984 को उनकी हत्या तक लगातार प्रधानमंत्री रहीं। इससे पहले उनके पहले कार्यकाल को जोड़कर वे कुल 5829 दिन प्रधानमंत्री रही थीं, लेकिन लगातार कार्यकाल की बात करें तो वह 4076 दिन रहा।

अब मोदी ने 4078 दिन लगातार प्रधानमंत्री पद संभालकर इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ दिया है। मोदी ने इस रिकॉर्ड को पार करने के बाद किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में इस उपलब्धि का उल्लेख नहीं किया, लेकिन भाजपा नेताओं और समर्थकों ने सोशल मीडिया पर इसे साझा कर 'स्थिर नेतृत्व' की मिसाल बताया।

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में सरकार का खुलासा: आतंकी हमले का जवाब था

-पाकिस्तान की गुजारिश पर हुआ युद्ध विराम

नई दिल्ली। संसद में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पहली बार सरकार ने आधिकारिक बयान दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह ऑपरेशन पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकी हमलों के जवाब में किया गया था। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने सीमापार आतंकी लॉन्चपैड्स और पाकिस्तान सेना की चौकियों को निशाना बनाते हुए कड़ा एक्शन लिया। यह कार्रवाई भारत की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए की गई थी। रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर प्रिसिजन स्ट्राइक किए, जिससे पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने बिना किसी नुकसान के सफलतापूर्वक ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब पाकिस्तान की ओर से लगातार सीमा पर फायरिंग और घुसपैठ की कोशिशें तेज कर दी गई थीं। ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर के सवालों पर गुरुवार को सरकार ने संसद में पहली बार जवाब दिया। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में लिखित जवाब में कहा- ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों की ओर से किए गए बर्बर आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। कीर्ति वर्धन सिंह ने आगे कहा- ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इसके बाद PAK ने भारतीय सैन्य ठिकानों और नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन इसका कड़ा जवाब दिया गया। पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचाया। सीजफायर के सवाल पर उन्होंने कहा- 10 मई को पाकिस्तान के मिलिट्री ऑपरेशन डायरेक्टर जनरल (DGMO) ने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने का अनुरोध किया। उसी दिन बाद में संघर्ष विराम पर सहमति बनी। विदेश राज्य मंत्री ने ये सभी जवाब सपा सांसद रामजी लाल सुमन के सवालों पर दिया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर अंतरराष्ट्रीय दबाव में शुरू हुआ, अचानक युद्धविराम की घोषणा का सेना पर असर और ऑपरेशन सिंदूर की वास्तविक स्थिति को लेकर सवाल पूछे थे।

सवाल- क्या भारत ने पाकिस्तान को ग्लोबल मंच पर अलग-थलग करने की कोशिश की?

जवाब- विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि भारत ने लगातार पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद के खतरे को ग्लोबल मंच पर उठाया है। इसके बाद कई पाकिस्तान बेस्ड आतंकवादियों और संगठनों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की 1267 प्रतिबंध कमेटी और FATF की ग्रे लिस्ट में शामिल किया गया। पहलगाम हमले के बाद UNSC ने भी इसकी कड़ी निंदा की और हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की बात कही। अमेरिका ने हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (TRF) को विदेशी आतंकी संगठन और वैश्विक आतंकी घोषित किया है।

सवाल- भारत ने अमेरिका के साथ पाकिस्तान को दी जाने वाली सैन्य मदद पर क्या किया?

जवाब- कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा- भारत पाकिस्तान की सभी सैन्य और सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर रखता है। इस पर अपनी चिंताओं को अमेरिका सहित अन्य साझेदारों के साथ उठाता है। भारत का स्पष्ट रुख है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा हैं, थे और हमेशा रहेंगे। भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग एक मजबूत स्तंभ है। दोनों देश समय-समय पर आतंकवाद को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाते हैं।

पाकिस्तान की रिक्वेस्ट पर युद्ध विराम

रक्षा मंत्री ने सदन में कहा कि ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान ने युद्धविराम के लिए भारत से संपर्क किया। पाकिस्तान की रिक्वेस्ट पर यह युद्धविराम हुआ ताकि आगे किसी बड़े संघर्ष से बचा जा सके। रक्षा मंत्री ने साफ किया कि भारत शांति में विश्वास रखता है, लेकिन यदि देश की सुरक्षा पर खतरा होगा तो कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि भारत शांति चाहता है, लेकिन शांति तभी संभव है जब आतंकी गतिविधियां और घुसपैठ रोकी जाए। पाकिस्तान को यह भी बता दिया गया कि यदि सीमा पर शांति चाहिए तो उसे अपने इलाके में मौजूद आतंकी संगठनों पर कार्रवाई करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले महीनों में आतंकी हमलों में भारतीय जवानों और नागरिकों की शहादत के बाद यह कार्रवाई जरूरी हो गई थी। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को समर्थन देने की कीमत उसे चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने जिस तरह साहस और रणनीति से ऑपरेशन को अंजाम दिया, उस पर पूरा देश गर्व कर रहा है।

थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर दूसरी दिन भी भीषण गोलीबारी: 16 की मौत

-1 लाख लोग बॉर्डर से हटाए गए

बैंकॉक/नोमपेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर तनाव लगातार दूसरे दिन भी बढ़ता जा रहा है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच बुधवार को फिर से भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। वहीं, थाईलैंड ने सीमा से सटे इलाकों से करीब 1 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर संघर्ष शुरू करने का आरोप लगाया है।

कैसे शुरू हुआ विवाद

सीमा विवाद की जड़ पुराने मंदिर और सीमांकन को लेकर है। दोनों देशों का दावा है कि यह इलाका उनका है। पिछले हफ्ते सीमा पर गश्त के दौरान मामूली कहासुनी के बाद दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। मंगलवार को हुई गोलीबारी के बाद बुधवार सुबह फिर से गोलियां चलने लगीं। कई इलाकों में मोर्टार शेल भी दागे गए, जिससे गांवों और फसलों में आग लग गई। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा संघर्ष दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार सुबह दोनों देशों के सैनिकों ने बॉर्डर पर 12 जगहों पर फायरिंग की है। अब तक थाईलैंड में 1 सैनिक समेत 15 लोगों की मौत हुई है। जबकि, 46 लोग घायल हुए हैं। वहीं, कंबोडिया में 1 की मौत हुई है। थाई सरकार ने शुक्रवार को बताया कि 1 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। कंबोडिया ने भी लगभग 20 हजार निवासियों को थाई सीमा के पास से निकाला है। दोनों देशों के बीच विवाद की वजह 900 साल पुराना शिव मंदिर (प्रासात ता मुएन थोम) है। जब थाई सेना के अनुसार कंबोडियाई सैनिकों ने थाई सैन्य ठिकानों के ऊपर ड्रोन उड़ाए। थाई सेना का कहना है कि उसने बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो सुबह 8:20 बजे भारी गोलीबारी शुरू हो गई।

कंबोडिया और थाईलैंड के बीच विवाद को जानिए...

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहियर मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है। जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। 1959 में कंबोडिया यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया, लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा।

मंदिर को हेरिटेज साइट में शामिल कराने पर झड़पें शुरू हुईं

2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गईं और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। 2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है, लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है। इस विवाद के बावजूद थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है। हालांकि, हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है। 28 मई को एमराल्ड ट्रायंगल पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ही इस इलाके पर दावा करते हैं। सैनिक की मौत से नाराज होकर कंबोडिया के नेता हुन सेन ने सीमा पर और सैनिक और हथियार भेजने का आदेश दिया, उन्होंने कहा कि वे युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हमला होने पर जवाब देना पड़ेगा। थाई PM ने इसके जवाब में कहा कि थाईलैंड ऐसी किसी धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके बाद कंबोडिया ने धमकी दी कि वह इस विवाद को अंतरराष्ट्रीय अदालत में ले जाएगा, लेकिन थाईलैंड ने यह कहकर इनकार कर दिया कि वह अदालत के अधिकार को नहीं मानता। इसके बाद थाईलैंड ने कंबोडिया की बिजली और इंटरनेट सेवा रोकने की धमकी दी, तो कंबोडिया ने थाई टीवी और फिल्मों पर बैन लगा दिया और थाई प्रोडक्ट्स के आयात पर रोक लगा दी। थाईलैंड ने भी कंबोडिया जाने वाले अपने मजदूरों को सीमा पार करने से रोक दिया।

उल्लू-ALTT समेत 25 OTT प्लेटफॉर्म बैन: अश्लील कंटेंट पर सरकार की सख्ती

- IT एक्ट के तहत कार्रवाई

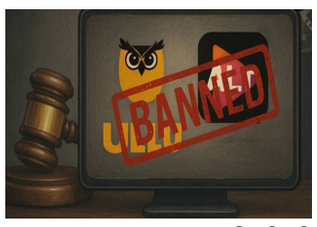

नई दिल्ली। सरकार ने उल्लू, ALTT, फ्लिज़ मूवीज, प्राइम प्ले, कूकू, रॉकेट फिल्म्स जैसे कई ऐप समेत कुल 25 OTT प्लेटफॉर्म्स को बैन कर दिया है। इन पर अश्लील कंटेंट प्रसारित करने और भारतीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप लगे थे। यह कदम आईटी एक्ट 69A के तहत लिया गया है, जिसके अंतर्गत सरकार को आपत्तिजनक कंटेंट और राष्ट्रीय हित के खिलाफ काम कर रहे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई का अधिकार है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अश्लील कंटेंट प्रसारित करने वाले 25 OTT प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। सरकार का कहना है कि ये एप्स एंटरटेनमेंट के नाम पर अश्लील और आपत्तिजनक वीडियो पेश कर रहे थे। सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (ISP) को इन OTT एप्स-वेबसाइट्स को ब्लॉक करने को कहा है। बैन एप्स में ALTT, Ullu, देसी फ्लिक्स जैसे फेमस प्लेटफॉर्म भी हैं। ALTT एप अप्रैल 2017 में फिल्म और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर ने लॉन्च किया था। वहीं ULLu एप को IIT कानपुर से ग्रेजुएट विभु अग्रवाल ने 2018 में बनाया था। इससे पहले मार्च 2024 में सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर 18 OTT प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया था। साथ ही 19 वेबसाइट्स, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए थे।

चार कानूनों के तहत OTT एप्स पर बैन

IT एक्ट, 2000 (धारा 67)- इंटरनेट पर अश्लील कंटेंट प्रकाशित या फैलाना कानूनी अपराध है।

IT एक्ट, 2000 (धारा 67A)- इंटरनेट पर सेक्शुअल एक्टिविटी से जुड़ा वीडियो या कंटेंट पोस्ट करना गैरकानूनी है।

BNS 2023 (धारा 294)– सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करना या गंदे शब्दों का इस्तेमाल करना दंडनीय अपराध है।

महिलाओं के अश्लील (निषेध) एक्ट 1986 (धारा 4)- किसी भी माध्यम से महिलाओं को अश्लील या अपमानजनक रूप में दिखाना कानूनी अपराध है।

लॉकडाउन में अल्ट और उल्लू एप के व्यूअर्स बढ़े

2020 के लॉकडाउन में जब OTT प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया गया, उसी दौरान अल्ट बालाजी, MX प्लेयर और उल्लू एप जैसे OTT प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट ज्यादा प्रसारित होने लगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2020 में एक एडल्ट कॉमेडी शो के लिए सर्वाधिक स्ट्रीमिंग (1.1 करोड़) एक दिन में ऑनलाइन ओटीटी प्लेटफॉर्म MX प्लेयर पर की गई। इस रिपोर्ट के अनुसार अल्ट बालाजी की मई 2020 की व्यूअरशिप में 2019 की तुलना में 60% इजाफा हुआ। 2020 में इसके मंथली एक्टिव यूजर्स भी 21% बढ़े। इस ओटीटी पर एडल्ट कंटेंट ज्यादा है। भारत सरकार ने 2021 में 'द इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइन्स एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स' बनाया था। इसे 6 अप्रैल, 2023 को अपडेट किया गया। 30 पेज की गाइडलाइन में सोशल मीडिया, फिल्म और वेब सीरीज के लिए नियम बताए गए हैं।

पेज नंबर-28 पर फिल्म, वेब सीरीज और एंटरटेनमेंट प्रोग्राम के लिए जनरल गाइडलाइंस है। इसमें टारगेट ऑडियंस के आधार पर कैटेगरी तय करना जरूरी है। ये चेतावनी देना भी जरूरी है कि आप क्या कंटेंट दिखा रहे हैं। गाइडलाइंस के मुताबिक, OTT और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ग्रीवांस ऑफिसर रखने होंगे। कंटेंट कानून के हिसाब से होना चाहिए। उसमें सेक्स न हो, एंटी नेशनल न हो और बच्चों-महिलाओं को नुकसान पहुंचाने वाला न हो।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,